।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 195

नर्मदापुरम
मंगलवार, 29 अप्रैल 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

धैर्य कटु है,
किन्तु उसका
फल मधुर है ।
- रूसो

संक्षिप्त समाचार

प्रत्येक संभाग में लगेंगे कृषि मेले : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। मध्यप्रदेश कृषि आधारित प्रदेश है, यहां कृषि विकास दर भी बहुत अच्छी है। इसी के दृष्टिगत औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन के साथ-साथ हम कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेले प्रत्येक संभाग में कृषि मेले लगाए जाएंगे। किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से होने वाले यह आयोजन उन्नत कृषि तकनीकों, खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों और कृषि में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित होंगे। आगामी 3 मई को मंदसौर जिले में वृहद कृषि मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें उन्नत कृषि यंत्र, बीजों के प्रकार, आधुनिकतम यंत्र, खेती की उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन होगा। किसानों को उनकी आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती, हार्टिक्लचर, फ्लोरीक्लचर अर्थात् बागवानी, फलोद्यान जैसी गतिविधियां अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कूनो में बढ़ा चीतों का कुनबा 'निरवा' ने 5 शावक जन्मे

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक और बड़ी खुशखबरी आई है। यहां मादा चीता नीरवा ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इस नई वृद्धि के साथ अब पार्क में चीतों की कुल संख्या 29 हो गई है, जो भारत में चीता पुनर्वास योजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। कूनो नेशनल पार्क में चीता परियोजना के तहत अफ्रीकी देशों से लाए गए चीतों के प्राकृतिक वातावरण में सफल प्रजनन को वन विभाग और विशेषज्ञों की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया जा रहा है। हाल ही में कूनो से दो चीते मंदसौर के गांधीसागर अभ्यारण्य में शिफ्ट किए गए थे, जिससे पार्क में चीतों की संख्या 24 रह गई थी। लेकिन अब नीरवा के पांच शावकों के आगमन से यह आंकड़ा फिर से 29 पर पहुंच गया है।

मंत्री विजयवर्गीय के पीए पर कैब चालक ने किया प्राणघातक हमला

इंदौर। मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पीए रवि विजयवर्गीय का कैब चालक से विवाद हो गया। इसके बाद चालक ने चाकू से तीन वार रवि पर किए। उन्हें गंभीर रुप से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया है। रवि ने अपने बच्चों को स्टेशन तक छोड़ने के लिए उबर से कैब बुक की थी। कैब चालक रवि अहिरवार ने सामान ज्यादा होने पर आपत्ति ली और कहा कि इतना सामान कार में नहीं आ पाएगा। इसे लेकर चालक का रवि से विवाद हो गया। इसके बाद चालक शैलेश ने चाकू निकाला और वार करना शुरू कर दिया। रवि ने बचाव की कोशिश की, लेकिन फिर भी उनसे तीन वार कर दिए। इसके बाद वह भाग गया।

राष्ट्रपति ने सुशील मोदी, पंकज उधास और शेखर कपूर सहित 71 को पद्म पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित पद्म अलंकरण समारोह के प्रथम चरण में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली 71 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। इनमें 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्मश्री शामिल हैं। शेष 68 विजेताओं को अगले महीने सम्मान प्रदान किया जाएगा। जिन विभूतियों को आज पुरस्कार प्रदान किया गया है उनमें बिहार के दिवंगत पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, गायक पंकज उधास, सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख ओसामु सुजुकी और शेखर कपूर आदि प्रमुख थे।

इनको मिला पद्म विभूषण : साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए केरल के एमटी वासुदेवन नायर को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पुरस्कार उनकी पुत्री अवस्थी वीर नायर ने प्राप्त किया। व्यापार और उद्योग श्रेत्र में जापान के ओसामु सुजुकी को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पुरस्कार उनके पुत्र ने प्राप्त किया। इसके अलावा चिकित्सा क्षेत्र में तेलंगाना के डॉ. दुवुर नागेश्वर रेड्डी और कला-संगीत क्षेत्र में कर्नाटक के लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण प्रदान किया गया।

पद्म भूषण : लोक कार्य के लिए बिहार के सुशील कुमार मोदी को मरणोपरांत पद्म भूषण प्रदान किया गया। पुरस्कार उनकी पत्नी जेसी मोदी ने प्राप्त किया। वे बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले उपमुख्यमंत्री थे। उन्होंने वित्त विभाग भी संभाला था। उन्होंने भारत में जीएसटी की शुरूआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने राज्य के विकास में बहुत योगदान दिया। उन्हें राज्य के प्रभावी राजकोषीय प्रबंधन का श्रेय दिया जाता है, जिससे स्थिरता का दौर शुरू हुआ। वे कई सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल थे। कला-गायन क्षेत्र के लिए महाराष्ट्र के पंकज केशुभाई उधास को मरणोपरान्त पद्म भूषण पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार उनकी पत्नी फरीदा पंकज उधास ने प्राप्त किया। इसके अलावा कला-फिल्म अभिनय क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए आंध्र प्रदेश के नंदमुरी बालकृष्णा को पद्म भूषण प्रदान किया गया। अमेरिका के विज्ञान क्षेत्र से जुड़े विनोद कुमार धाम को विज्ञान एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म भूषण प्रदान किया। कला एवं फिल्म निर्माण के लिए महाराष्ट्र के शेखर कपूर को पद्म भूषण प्रदान किया गया। कला-फिल्म अभिनय के लिए तमिलनाडु के एस. अजित कुमार को पद्म भूषण प्रदान किया गया। व्यापार और उद्योग के लिए गुजरात के पंकज आर पटेल, चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए केरल के जोश चाको पेरियापुरम, साहित्य एवं शिक्षा क्षेत्र में योगदान के लिए कर्नाटक के डॉ. ए. सूर्यप्रकाश, खेल क्षेत्र में केरल के पूर्व हॉकी खिलाड़ी श्रीजेष पीआर को पद्म भूषण प्रदान किया।

इनको मिला पद्म श्री सम्मान

चित्रकला में उत्तर प्रदेश के श्याम बिहारी अग्रवाल, कुवैत की योग चिकित्सक शेखा एजे अल सबाह, कला-गायन में डॉ. के. मनकुदि अम्मा, कला-बुरा कथा के लिए मिरियाला अप्पारावु (मरणोपरांत), खेल-क्रिकेट रविचंद्रन अश्विन, कला-लोकगायन जयनारायण बाठारी, कला-लोक गयान बेगम बतूल, व्यापार एवं उद्योग अरुंधित भट्टाचार्य, साहित्य एवं शिक्षा प्रो, अनिल कुमार बोरो, साहित्य एवं शिक्षा मारुती चितमपल्ली, भक्ति गायक भेरू सिंह चौहान, पाक कला के लिए डॉ. के. दामोदरन, कला-संगीत गोकुल चंद्रदास, वस्त कला के लिए निर्मला देवी, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए हृदय नारायण दीक्षित को पद्मश्री प्रदान किया गया। गणेश्वर शास्त्री द्राविड़, अद्वैत चरण गडनायक, डॉ. पवन कुमार गोयनका, प्रो भरत गुप्त, नरेन गुरुंग, व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र के लिए मध्य प्रदेश की शालिनी देवी होलकर, वासुदेव तारानाथ कामत, कला-पार्श्व गायन डॉ. जसपिंदर नरुला कौल, स्टीफन नैप, लामा लोबजंग (मरणोपरांत), विनायक लोहनी, प्रो. अशोक महापात्र, पंडित रोनू मजुमदार, तेजेन्द्र नारायण मजुमदार, शीन काफ निजाम, नितिन नोहरिया, ओंकार सिंह पाहवा, प्रो. रत्न कुमार परिमु, *(शेष पेज 7 पर)*

सीएम ने कालीसिंध नदी में जलदूतों के साथ किया श्रमदान

सारंगपुर में 112 करोड़ के 733 विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्री कपिलेश्वर मुनि मंदिर में महादेव का किया जला अभिषेक

राजगढ़ ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को जिले के विकासखंड सारंगपुर में 112 करोड रूपये की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जन अभियान परिषद के सहयोग से जलदूतों के साथ श्रमदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां श्री कपिलेश्वर मुनि मंदिर में महादेव की पूजा अर्चना की एवं जलाभिषेक किया। श्रमदान आरंभ करने के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालीसिंध नदी में भी जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग गौतम टेटवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग नारायण सिंह पंवार, सांसद रोडमल नागर, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद उपाध्यक्ष मोहन नागर, विधायक राजगढ़ अमर सिंह यादव, खिलचीपुर विधायक हजारीलाल दांगी, विधायक नरसिंहगढ़ मोहन शर्मा, सदस्य दिशा ज्ञानसिंह गुर्जर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बडी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में जिले में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। जिले के किसान उन्नत कृषि की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। समूचे जिले की कायापलट हो रही है। जिला अब उन्नत दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गोसंवर्धन की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अब कोई भी गौशाला लावारिस नहीं रहेगी। प्रत्येक गौशाला में प्रति गाय के मान से 20 की जगह 40 रूपये अनुदान दिया जाएगा। जो किसान घरों में 25 से अधिक गाय पालेंगे उनको भी सरकार अनुदान देगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को समृद्ध बनाने के लिए भी प्रदेश सरकार काम कर रही है। अब दीदियों को लखपति बनाया जा रहा है। प्रदेश की धार्मिक नगरों में शराब बंदी लागू की गई है। अब इन नगरों में शराब की बजाए दूध की दुकाने चालू की जाएंगी। आने वाले कुम्भ में उज्जैन में स्थायी सिंहस्थ नगर बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को बिजली की सहूलियत प्रदान करने के लिए अब उनको सोलर सिस्टम पर अनुदान दिया जा रहा है, ताकि वे सिंचाई की बिजली के लिए परेशान न हो। डॉ. यादव ने जिले में ओबीसी, एसटी, एससी विद्यार्थियों के लिए जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने के कार्य की सराहना की।

मुख्यमंत्री कल करेंगे श्रमिक परिवारों को 600 करोड़ अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 अप्रैल को धार जिले के उमरबन में संबल योजना में अनुग्रह सहायता के 27 हजार 523 प्रकरणों में राशि रूपये 600 करोड़ सिंगल क्लिक से वितरित करेंगे। कार्यक्रम में श्रम व पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं स्थानीय जन प्रतिनिधि, हितग्राही उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना, प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें अनुग्रह सहायता योजना के अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। इसी प्रकार स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं।

विकास कार्यों का भूमिपूजन
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जिन कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया उनमें 38.37 करोड लागत के अधोसंरचना एवं विकास के 35 कार्यों का लोकार्पण किया गया। साथ ही 31 करोड लागत के अधोसंरचना एवं विकास के 13 कार्य एवं 42.23 करोड लागत के जल गंगा संवर्धन अभियान के 685 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच हुई बैठक

पहलगाम हमले के बाद अब पाक पर भारत करेगा कार्रवाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक प्रधानमंत्री आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षामंत्री के बीच यह बैठक करीब 40 मिनट तक चली।

पीएम मोदी के पास जाने से पहले रक्षामंत्री ने सोमवार को ही आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी से रक्षा मंत्रालय में मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख से सेना की तैयारी, पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उठाए गए कदम और सीमाओं की स्थिति की जानकारी ली। वहीं सोमवार को भारत और फ्रांस के बीच नौसेना के लिए 26 राफेल मरीन विमानों का सौदा भी होना है। इस डील से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) द्वारा फ्रांस से 26 राफेल-एम लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दी गई है। हाल ही में मिली इस मंजूरी के बाद अब यह डील होने जा रही है। इसके तहत नौसेना के लिए मरीन (एम) श्रेणी के राफेल लड़ाकू विमान खरीदे जा रहे हैं। सोमवार को इससे जुड़े समझौतों पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए जाएंगे। फ्रांस के रक्षा मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत में शामिल हुए। इस सब घटनाक्रम के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह प्रधानमंत्री से मिलने प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे। यहां दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक गंभीर वार्ता हुई है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान की सेना पिछले चार दिनों से नियंत्रण रेखा के उस ओर से गोलीबारी कर रही है। भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया है। गोलीबारी का यह सिलसिला पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुआ है। इस बीच रविवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी।

अब पाकिस्तान की खैर नहीं, 26 राफेल मरीन की डील

नई दिल्ली। हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। भारत ने आज फ्रांस के साथ भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम (मरीन) लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए लगभग 63,000 करोड़ रुपये के मेगा सौदे पर हस्ताक्षर किए। इस सौदे को पाकिस्तान के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। यह डील ऐसे समय में हुई है जब पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और भारत ने इसके लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। भारत सरकार पहले ही पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कदम उठा चुकी है।

अंतर्मना उवाच

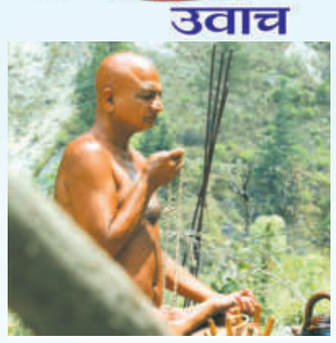

चमोली, उत्तराखंड : प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

वक्त का पासा कभी भी पलट सकता है.. इसलिए वही सितम करो जो सहन कर सको..!

*वैसे भी जन्म से लेकर आज तक कौन सी चीज एक सी रही है..? आपका कद, काठी, रंग, रूप, सुनना, देखना, हँसना, बोलना, सब कुछ बदल जाता है। जब शरीर बदल जाता है तो रिश्ते, समय, हालात, वाणी, व्यवहार बदल जाये तो अफसोस मत करो। **परिवर्तन का नाम ही स्वार्थमयी संसार है।** इसलिए अपने आप में इतना लचीलापन बनाकर रखो कि कभी ऐसी स्थिति आये तो हम डिप्रेशन के शिकार ना बन पायें। **ऐसा भी होता है** यह बोलकर आगे बढ़ जाएं और अपनी दिशा चेंज कर लें। **दूसरों की बैसाखी के सहारे कब तक चलेंगे..?** बैसाखी तो अपाहिज लोग लेते हैं, आप तो पुरे हाथ, पैर और अच्छी सोच वाले इंसान हो। फिर क्यों परेशान हो रहे हो..?*

*हम अपनी ज़िन्दगी में बहुत कुछ कर सकते हैं, अगर खुद को खुद पर भरोसा हो तो। **जिंदगी में नई दिशा, नये संकल्प और बेहतरीन इरादों के साथ, अपने आपको हमेशा तैयार रखो...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों के निर्माण में लाए गति : मंत्री पटेल

भोपाल ■ प्रतिनिधि

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों के निर्माण कार्यों में गति लाएं। उन्होंने पौधरोपण के फेंसिंग कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। सोमवार को मंत्रालय स्थित कार्यालय में मंत्री पटेल ने विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री ने निर्माणाधीन ग्राम पंचायत भवनों एवं सामुदायिक भवनों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए द्वितीय किश्त शीघ्र जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए, ताकि निर्माण कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण हो सके। इसके साथ ही, माह जुलाई में 23, 24 एवं 25 तारीख को विगत वर्ष की भांति तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मंत्री पटेल ने कार्यशाला की रूपरेखा शीघ्र तैयार कर आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इंदौर समेत मध्यप्रदेश के चार शहरों में ईडी के छापे

भोपाल, रीवा और मंदसौर में भी दबिश, शराब ठेकेदारों के ठिकानों पर सर्चिंग जारी

भोपाल/इंदौर/रीवा/मंदसौर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मध्यप्रदेश के इंदौर, भोपाल, रीवा और मंदसौर में शराब कारोबारियों के ठिकानों पर छापे मारे हैं। सबसे बड़ी कार्रवाई इंदौर में की गई है। यहां अलग-अलग शराब कारोबारियों के 18 ठिकानों पर दबिश दी गई है। भोपाल में एक बड़े कारोबारी के यहां सर्चिंग चल रही है। जबलपुर और मंदसौर में भी शराब व्यापारियों के ठिकानों पर जांच की जा रही है। अभी तक इस मामले में ईडी की ओर से अधिकृत तौर पर कुछ नहीं कहा गया है

मध्यप्रदेश में शराब घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। इंदौर, भोपाल, मंदसौर और जबलपुर जिले सहित कई शहरों में आबकारी अधिकारियों और शराब ठेकेदारों के ठिकानों पर छापेमारी की गई। यह कार्रवाई 71 करोड़ रुपये के फर्जी बैंक चालान घोटाले के सिलसिले में की जा रही है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने यह जांच एक एफआईआर के आधार पर शुरू की है, जिसमें आरोप है कि कुछ शराब ठेकेदारों ने फर्जी चालान और दस्तावेजों के जरिए सरकार को करोड़ों का राजस्व नुकसान पहुंचाया। सूत्रों के अनुसार, वित्त वर्ष 2015-16 से 2017-18 के बीच इन ठेकेदारों ने नकली चालान के माध्यम से शराब खरीदने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र हासिल किए। जांच में यह सामने आया है कि आरोपी शराब ठेकेदार चालानों में जान बूझकर हेरफेर करते थे।

घोटाले की 71 करोड़ की राशि आंकी

इस फर्जीवाड़े से तैयार की गई चालानों की कॉपियां देशी शराब गोदामों या विदेशी शराब के मामले में जिला आबकारी कार्यालयों में जमा की जाती थीं। ईडी अधिकारियों ने फिलहाल दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है और छापेमारी अभी भी जारी है। इस कार्रवाई में कई आबकारी अधिकारियों की भी भूमिका की जांच हो रही है। घोटाले की कुल रकम करीब 71 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिससे राज्य सरकार को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया गया।

30 अप्रैल को दिल्ली में जुटेंगे संघ पदाधिकारी, हो सकती है अध्यक्ष की घोषणा

संघ प्रमुख भागवत की मौजूदगी में भाजपा अध्यक्ष पर सहमति के आसार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम और इसके चुनाव की राह में रोड़ा बने राज्यों पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच अगले सप्ताह सहमति बनने के आसार हैं। दरअसल संघ प्रमुख मोहन भागवत समेत संघ के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी बुधवार को राजधानी दिल्ली में रहेंगे। रविवार को संघ के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के समूह जिसे छोटी टोली कहा जाता है की बैठक झंडेवालान स्थित संघ के कार्यालय में हुई। इस बैठक में संघ शताब्दी वर्ष के साथ पहलगाम आतंकी हमले के बाद की परिस्थितियों पर चर्चा हुई।

संघ सूत्रों का कहना है कि अगले तीन दिनों तक वरिष्ठ पदाधिकारियों का दिल्ली में डेरा डालना बेहद अहम है। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के साथ इसके चुनाव की राह में रोड़ा बने राज्यों पर चर्चा हो सकती है। दरअसल भाजपा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए जरूरी उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, मध्यप्रदेश समेत कई अहम राज्यों में संगठन चुनाव नहीं हो पाया है। इन राज्यों में अध्यक्ष के नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्र का कहना है कि अगले तीन दिनों में विमर्श के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर सहमति बन सकती है। संघ ने मोदी सरकार को फ्री हैंड दिया है। संघ प्रमुख ने पहले महाराष्ट्र और उसके बाद दिल्ली में आर्तकियों और उनके आकाओं को सबक सिखाने का आह्वान किया है।

दिग्विजय बोले- अब मैं कभी मंच पर नहीं बैठूंगा

ग्वालियर। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि वह अब कभी मंच पर नहीं बैठेंगे। मंच के नीचे बैठेंगे। जब उनके बोलने की बारी आएगी, तभी वो मंच पर चढ़ेंगे। दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस नेताओं से मंच की लड़ाई खत्म करने की अपील की है। दिग्विजय सिंह सोमवार को ग्वालियर के फूलबाग में कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे। दिग्विजय सिंह ने कहा-मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि मंच की लड़ाई समाप्त करें। आपसे अनुरोध करता हूं कि मैं अब कांग्रेस या किसी भी मंच पर नहीं बैठूंगा। मैं नीचे बैठ जाऊंगा। बस इतना अनुरोध है कि जब बोलने का अवसर आए, तब मुझे बुला लिया जाए। कृपया मंच की लड़ाई को समाप्त कर दीजिए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि जो लोग लाते हैं, वे बेचारे रह जाते हैं, और हमारे लोग मंच पर आ जाते हैं। इन बातों पर ध्यान दीजिए। दरअसल, ग्वालियर में हुए कांग्रेस के इस कार्यक्रम में करीब 4 से 5 हजार नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंच पर बैठने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में विवाद हुआ। जिसके बाद दिग्विजय सिंह ने मंच से ही ये बातें कहीं।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने जारी किये निर्देश

कक्षा 5 और 8 की उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्गणना के संबंध में निर्देश

भोपाल ■ निसं

प्रदेश में कक्षा 5 और 8 वार्षिक मुख्य परीक्षा सत्र 2024-25 की उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्गणना प्रक्रिया के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। निर्देशों में बताया गया है कि कक्षा 5 और 8 के परीक्षा परिणाम की घोषणा के 5 दिन बाद 3 अप्रैल 2025 से परीक्षा पोर्टल पर पुनर्गणना की सुविधा लाइव की जा चुकी है।

पुनर्गणना के लिये विद्यालय के माध्यम से छात्रों के पुनर्गणना के आवेदन पोर्टल पर पंजीकृत किये जा रहे हैं। विद्यालयों से कहा गया है कि ह्ल्ह्यद्बद्बश्च.द्बठ्ठ पोर्टल पर लॉग इन कर पुनर्गणना विंडो को ओपन कर कक्षा 5 और 8 का चयन किया जा सकता है। जिन छात्रों द्वारा विद्यालय के समक्ष उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्गणना के लिये ऑफ लाइन आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं, उनके संबंध में पोर्टल में पंजीकरण करते हुए पुनर्गणना के चयनित विषयों को सबमिट किया जाये। छात्रवार एक से अधिक विषय की उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्गणना करायी जा सकती है। निर्धारित समयावधि के बाद किसी भी परिस्थिति में पुनर्गणना के लिये आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। प्रक्रिया में 21 अप्रैल 2025 तक विद्यालय के माध्यम से छात्रों के पुनर्गणना के आवेदन पोर्टल पर पंजीकृत किये जायेंगे। 21 अप्रैल 2025 रात्रि 12 बजे के बाद यह सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।

एनओटीटीओ की वार्षिक रिपोर्ट 2023 के अनुसार

ब्रेन डेड के बाद अंगदान में मप्र सातवें स्थान पर

भोपाल ■ निसं

मप्र में अंगदान और देहदान को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ऐलान किया है कि प्रदेश में अंगदान और देहदान करने वालों के परिवारों को सरकार अब गार्ड ऑफ ऑनर देगी। साथ ही 26 जनवरी और 15 अगस्त को सम्मानित भी किया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद मप्र में ब्रेन डेड के बाद अंगदान के मामले में मप्र छह राज्यों से पीछे है। नेशनल ऑर्गन एण्ड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एनओटीटीओ) की वार्षिक रिपोर्ट 2023 के अनुसार ब्रेन डेड के बाद अंग दान के मामले में मप्र देश में

सातवें स्थान पर रहा।

सरकार और अस्पतालों की ओर से दूसरों को जीवन दान देने के लिए लोगों को मरने या ब्रेन डेड के बाद अंग दान (कैडेवर डोनेशन) के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कुछ लोग इसके लिए आगे भी आ रहे हैं। लेकिन यूरोपीय देशों के मुकाबले अभी भी भारत में बहुत ही कम लोग ही कैडेवर डोनेशन के लिए सहमत हो रहे हैं। इस मामले में भोपाल सहित मप्र बहुत ही पीछे है। एनओटीटीओ की वार्षिक रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2023 में देश भर में ब्रेन डेड मरीजों से 1099 कैडेवर डोनेशन मिले। इनमें से सबसे ज्यादा 252 तेलांगना में हुए। दूसरे नंबर पर तमिलनाडू और तीसरे स्थान पर कर्नाटक रहा। मप्र का स्थान महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली एनसीआर के बाद भी रहा। मप्र में सिर्फ आठ कैडेवर डोनेशन किए गए हैं।

सबसे बड़ी चुनौती कैडेवर डोनेशन

केन्द्र सरकार ने लोगों को उन्नत चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए हालही में आयुष्मान भारत योजना में अतिआधुनिक चिकित्सा तकनीकों को शामिल किया है। इसमें इंटरवेंशनल न्यूरो, रेडियोलॉजी से लेकर बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी आधुनिक उपचार पद्धतियां शामिल की गई हैं। इस योजना में बोन मैरो ट्रांसप्लांट को शामिल किए जाने से ब्लड कैंसर और रक्त संबंधित गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को अच्छा से अच्छा उपचार मिल सकेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023 में कुल 13 हजार 426 किडनी ट्रांसप्लांट हुए थे। 267 किडनी ट्रांसप्लांट मप्र में हुए थे। इसमें ज्यादातर किडनी दान करने वाले मरीज के परीजन ही थे। डोनेशन करने वाले कम लोग पाए गए। एम्स भोपाल के कार्यकारी निदेशक अजय सिंह ने कहा कि अंगदान जो कोई भी कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कॉग्रेस विधायक आरिफ मसूद को जान से मारने की धमकी

भोपाल। पुराने भोपाल के मध्य विधान सभा से कॉग्रेस विधायक आरिफ मसूद को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दिये जाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले आरोपी सचिन सूर्यवंशी ने पोस्ट में लिखा- मैं आरिफ मसूद को जान से मारूंगा, लेकिन मेरी जमानत की जिम्मेदारी कौन लेगा। मामले में मसूद समर्थक और पूर्व पार्षद मेवालाल ने इसकी शिकायत पुलिस से करते हुए बताया की आरोपी की पोस्ट का स्क्रीनशॉट उन्हें वॉट्सऐप पर मिला था। जो उनके दोस्त दीपक जाधव ने उन्हें भेजा था। पुलिस ने मेवालाल की शिकायत पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले सचिन सूर्यवंशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर शाहजहांनाबाद पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। पुलिस जांच में पता चला है, पोस्ट करने वाला सचिन कोलार इलाके का रहने वाला है। उसके स्थानीय विधायक के साथ भी कई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है।

भोपाल में 80 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक, नशे में 1घंटे तक हाई-वोल्टेज ड्रामा

भोपाल। भोपाल के भारत टॉकीज चौराहे के पास सोमवार को हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। नशे की हालत में एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर की ऊंचाई लगभग 80 फीट है। जब लोगों की नजर उस पर पड़ी तो वे हैरान रह गए। करीब एक घंटे तक वह टावर पर चढ़ा रहा और वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पुलिस और नगर निगम की टीम पहुंची और युवक को रेस्क्यू किया। मंगलवारा थाना के टीआई अजय सोनी के मुताबिक, युवक सुलोचन के नशे में था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह कहां का रहने वाला है। पुलिस को उसके पास से सुलोचन बरामद हुआ है।

बालिकाओं को शीतल जल हेतु बोतल वितरित

भोपाल। सेवा भारती शंकराचार्य मंडल में निवेदिता भारती की 50 किशोरियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया। जिसका समापन राधा कृष्ण शादी हॉल भानपुर में सेवा भारती महानगर अध्यक्ष और पूर्व न्यायाधीश शिवमंगल सिंह ने सभी बच्चियों को अपनी ओर शीतल जल हेतु पानी की बोतल वितरित की। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया कि संस्था सदैव किशोरियों की समग्र उन्नति के लिए प्रयत्नशील है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता चेतन भार्गव ने किशोरियों का मार्गदर्शन भी किया। कार्यक्रम से पूर्व पहलगांव हमले में शहीद हुए नागरिकों के लिए मौन रख श्रंद्धाजलि दी गई। इस अवसर पर कुसुम सिंह, महानगर महिला मंडल संयोजिका सुनीता सूर्यवंशी दीदी, अशोक गंगवानी, सचिव राजेश मैथिल, सह सचिव राजबहादुर, कोषाध्यक्ष डॉ. शोभाराम पवार, गोविंद वर्मा, मंडल संयोजिका सुषमा विश्वकर्मा, दीदी, ममता चौहान दीदी, अनीता ताम्रकार, अर्चना श्रीवास्तव दीदी, मंगला गूगे दीदी, पूर्णकालिक देवीराम साहू उपस्थित रहे।

139 उत्कृष्ट विद्यालयों का संचालन

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग शासकीय स्कूलों में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर की गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के जिला मुख्यालय एवं विकासखंड पर उत्कृष्ट विद्यालयों का संचालन कर रहा है। वर्तमान में 43 जिला मुख्यालयों पर और 96 विकासखंड स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हो रहे हैं। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों में लगभग 49 हजार 500 और विकासखंड स्तरीय विद्यालयों में 66 हजार 250 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं।

सीएम डैशबोर्ड से विभागों की निगरानी होगी आसान

कलेक्टरों की परफॉर्मेंस का मिलेगा लाइव अपडेट

भोपाल ■ निसं

मप्र में अब सरकारी योजनाओं की क्रियान्वयन में लापरवाही नहीं हो पाएगी। गुजरात वाला सीएम डैशबोर्ड, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पसंद आ गया है। अब इसके माध्यम से उन्हें प्रत्येक जिले के लाइव अपडेट मिलते रहेंगे। योजनाओं के प्रत्येक हितग्राही की डिटेल एंट्री मिलेगी। यानी अब कोई कलेक्टर लापरवाही नहीं कर पाएगा। सीएम डैशबोर्ड सबकी कलई खोल कर रख देगा। यानी कलेक्टरों की परफॉर्मेंस का लाइप अपडेट शासन और प्रशासन को मिलता रहेगा।

जानकारी के अनुसार समाधान ऑनलाइन में सीएम डैशबोर्ड से इस बार प्रदेशभर के कलेक्टरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार होगी। भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव खुद विभागों की समीक्षा करेंगे, जिसे देखते हुए जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तैयारियों में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह समीक्षा भोपाल में होगी, लिहाजा जिले के कलेक्टर, एसपी ने डैशबोर्ड में दिए गए विभागों और योजनाओं के प्रभारी अधिकारियों को हिदायत दी है कि कहीं कोई गड़बड़ी हुई तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें। अधिकारियों के मुताबिक, यह पहली बार है जब डैशबोर्ड के माध्यम से जनता से सीधे जुड़े हुए विभाग और प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की जा रही है। जिन विभागों की समीक्षा की जाएगी उसमें राजस्व विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, पीएम आवास योजना (ग्रामीण), लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग-एनएचएम, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग आदिवासी कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, मध्य प्रदेश ग्रामीण सडक़ विकास प्राधिकरण, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग आदि शामिल हैं।

कलेक्टरों की परफॉर्मेंस होगी तैयार: मप्र में अब सीएम डैशबोर्ड से कलेक्टरों की परफॉर्मेंस तैयार की जाएगी।बताते है कि सभी कलेक्टरों, एसपी को इस संबंध में पहले ही पत्र भेजे जा चुके हैं। कलेक्टरों की परफॉर्मेंस तैयार करने के लिए विभागीय योजनाओं की प्रगति का आकलन होगा। मूल्यांकन सीएम डैशबोर्ड में विभांग द्वारा निर्धारित 160 की परफॉर्मेंस इंडिकेटर (केपीआई) के आधार पर किया जाना है। इसमें प्रमुख योजनाओं की 38 केपीआई के आधार पर विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। समीक्षा के बाद योजनाओं के आधार पर जिलों की रैंकिंग भी निर्धारित की जाएगी। साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 5 जिले व सबसे कम प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों के नाम प्रदर्शित किए जाएंगे।

कामकाज को बेहतर बनाएगा सीएम डैशबोर्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भी कहना है कि सरकार के कामकाज को बेहतर बनाने और नागरिक सुविधा व जनसामान्य के जीवन स्तर में सुधार के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग का मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एक उत्कृष्ट उदाहरण है। गौरतलब है कि गत वर्ष नवंबर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधीनगर में गुजरात सीएम डैशबोर्ड की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया था तथा उसके संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-गवर्नेंस एप्लीकेशन, वेब सर्विसेज, कॉल सेंटर, ग्राम और तालुका स्तर से डाटा कलेक्शन, डाटा इंटीग्रेशन, डाटा वैलिडेशन, परफॉर्मेंस मेजरमेंट, फीडबैक सिस्टम और फीडबैक के आधार पर हितग्राही संतुष्टि से अवगत होने के लिए स्थापित व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की।

अब सरकारी योजनाओं की होगी लाइव ट्रैकिंग

उल्लेखनीय है कि सीएम डैशबोर्ड एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं और प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन में सहायक है। यह डैशबोर्ड राज्य के प्रशासन को पारदर्शी, प्रभावी और उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। डैशबोर्ड पर योजनाओं की निगरानी और उनकी प्रगति का आंकलन किया जाता है, इससे यह सुनिश्चित होता है कि योजनाएं समय पर और प्रभावी तरीके से लागू हो रही हैं। डैशबोर्ड पर विभिन्न सरकारी विभागों के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को ट्रैक भी किया जाता है, यह संकेतक राज्य के विकास और प्रशासन की गति को मापने में सहायक हैं। डैशबोर्ड पारदर्शिता को भी बढ़ावा देने और वास्तविक समय में डेटा प्राप्त करने में सहायक है। डैशबोर्ड स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सडक़ निर्माण व अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधार और बेहतर प्रदर्शन में भी सहायक है।

भोपाल में सड़क परिवहन का बनेगा समन्वित प्लान

राजधानी भोपाल के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान सीएम ने दिया निर्देश

जो भी कॉलोनी मंजूर हो, उसमें सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य करें

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल में सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने और ट्रांसपोर्ट सिस्टम को दुरुस्त रखने के लिए जिम्मेदार अफसर एक समन्वित प्लान तैयार कराएं और उस पर अमल किया जाए। इसके साथ ही राजधानी में चोरी और आपराधिक घटनाओं के मद्देनजर सतर्कता जरूरी है। इसलिए जो भी कॉलोनी स्वीकृत की जाए, उसमें सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य किया जाए।

सीएम डॉ. यादव ने सोमवार को ये बातें राजधानी भोपाल के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान कहीं। उन्होंने प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, मंत्री कृष्णा गौर, विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा की मौजूदगी में मंत्रालय में भोपाल जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भोपाल से बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने के लिए विधायक रामेश्वर शर्मा और अन्य जनप्रतिनिधियों ने आभार माना। उन्होंने कहा कि इससे भोपाल में सडक़ दुर्घटनाओं में कमी आई है। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सडक़ों पर वाहनों की गति नियंत्रित रखने के साथ वाहनों की संख्या चक्काजाम जैसे हालात न बनने देने के हिसाब से होनी चाहिए। इसलिए अधिकारी और जनप्रतिनिधियों द्वारा राजधानी के सडक़ परिवहन के संबंध में समन्वित रूप से प्लान बनाया जाए। भोपाल शहर में आवागमन के लिए विकसित किए जाने वाली अधोसंरचना का निर्माण, मल्टीपरपज उपयोग की दृष्टि से किया जाए। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी कॉलोनी स्वीकृत हों उसमें सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य किया जाए। ऐसे में कॉलोनी में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। इसके साथ ही अन्य सभी कॉलोनियों में भी इसके लिए लोगों को प्रेरित करने का काम किया जाए।

2 मई को सभी जिलों में मनेगा लाड़ली लक्ष्मी उत्सव

एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम अभियान में होगा पौध-रोपण

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अन्तर्गत 2 मई 2025 को प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव जिला, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत पर उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। इसमें स्थानीय प्रतिनिधि, लाड़ली बालिकाएं, उनके अभिभावक, लाड़ली क्लब की अध्यक्ष और सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाड़ली लक्ष्मी योजना मध्यप्रदेश सरकार की बेटियों के प्रति समर्पित सोच का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य है कि हर बेटी को सम्मान, शिक्षा और आत्म-निर्भरता के अवसर प्राप्त हों। लाड़ली लक्ष्मी उत्सव एक नई ऊर्जा और विश्वास का संचार करेगा। उन्होंने प्रत्येक जिला और निकाय स्तर पर कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं, जिससे समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच और सशक्तिकरण का वातावरण तैयार हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति साझा संकल्प है।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का संचालन स्वयं लाड़ली बालिकाओं द्वारा किया जाएगा। इसमें कन्या-पूजन, दीप प्रज्ज्वलन, लाड़ली बालिकाओं के प्रेरक उद्बोधन और अपराजिता कार्यक्रम अन्तर्गत मार्शल आर्ट का प्रदर्शन जैसे विशेष कार्यक्रम शामिल है। इस उत्सव के जरिये जिला, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली बालिकाओं तथा लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली पंचायतों का सम्मान किया जाएगा।

लोक अदालत में बिजली प्रकरणों में मिलेगी अधिभार में छूट

भोपाल। भोपाल में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आगामी 10 मई को प्रदेश के सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस बार लोक अदालत में बिजली अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों में उपभोक्ताओं को बड़ी छूट मिलने जा रही है। लोक अदालत में समझौता करने वाले घरेलू, कृषि, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू और 10 एचपी तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। यह छूट उन प्रकरणों पर लागू होगी, जो न्यायालय में लंबित हैं या जिन पर प्री-लिटिगेशन स्तर पर कार्रवाई होनी है। लोक अदालत में बिजली प्रकरणों में दो स्तरों पर छूट मिलेगी। पहला प्री-लिटिगेशन स्तर पर। इसके तहत कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व राशि पर 30 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

वर्ल्ड डांस डे आज...

नि:शुल्क कथक की शिक्षा दे रही डॉ. स्वाति संजय पिल्लै

भोपाल ■ निसं

भोपाल की कथक नृत्याँगना डॉ. स्वाति संजय पिल्लै जो अपने कथक इंस्टीट्यूट नवधाकथकालय की संस्थापक हैं जो गरीब बच्चो को नि:शुल्क कथक कि शिक्षा प्रदान करती है एवम् अनेको सम्मान से सम्मानित हैं जिसमे 2 गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल है एवम् जिसमे केंद्रीय मंत्री से अवार्ड, बीजेपी जिला अध्यक्ष रवींद्र यति एवम् पी राजू भोपाल तमिल संगम प्रेसिडेंट के द्वारा से सम्मानित हुईं ।भोपाल वीमेंस हब अवार्ड, एमपी आइकॉनिक अवार्ड कल्चरल, एमपी राइजिंग स्टार अवॉर्ड, एम पी प्रज्वलिता अवार्ड, बैगम्स ऑफ़ भोपाल ग्रुप से सम्मानित, आपने कथक से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की हैं।

ऑनलाइन ऑफ़लाइन दोनों माध्यम से गुरू शिष्य परम्परा पद्धति से कथक विधा को बच्चियों तक पहुँचाया जाता हैं जिससे आगे चलके उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिये सहायता मिले।

500 शंकरदूतों का होगा दीक्षा संस्कार

ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में दो मई तक मनेगा एकात्म पर्व

भोपाल ■ निसं

खंडवा जिले की धार्मिक तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में सोमवार 28 अप्रैल से दो मई तक पंच दिवसीय एकात्म पर्व मनाया जाना है। इस पर्व को आचार्य शंकर के प्रकटोत्सव के दौरान ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में मनाया जायेगा। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और संस्कृति विभाग मप्र शासन के द्वारा आचार्य शंकर की गुरु एवं संन्यास भूमि पर इस पर्व का शुभारंभ सोमवार सुबह सात बजे महर्षि सांदीपनि वेद विद्यापीठ एवं आर्ट ऑफ लिविंग गुरुकुल के आचार्यों के द्वारा वैदिक अनुष्ठान से किया गया।

भव्य शोभायात्रा नर्मदा स्थित अभय घाट से निकलकर नगर भ्रमण करते हुए पुन: अभय घाट पर संपन्न होगी। वहीं इस पर्व के दौरान ओंकारेश्वर में अनेकों प्रकार के आयोजनों भी किये जायेंगे। जिनमें आचार्य शंकर के स्तोत्रों का गायन, वैदिक अनुष्ठान, शोभायात्रा, अद्वैत शारदा पुस्तकालय, अद्वैत लोक प्रदर्शनी और वेदांत-विज्ञान विषयक परिचर्चाएं प्रमुख रहेंगी।

सीएम के साथ ही कई सन्यासी और संत लेंगे भाग: वहीं इस आयोजन में अनेक संत-संन्यासियों की उपस्थिति भी रहने वाली है, जिनमें जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, इस्कॉन के गौरांग दास प्रभु, अखण्ड परम धाम के स्वामी परमानंद गिरि, स्वामी विदितात्मानंद सरस्वती, स्वामी मिथलेश नंदनी शरण, स्वामी प्रणव चैतन्य पुरी, और मां पूर्णप्रज्ञा सम्मिलित होंगे। इनके साथ ही विभिन्न सत्रों में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संस्कृति विभाग के राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी, चिंतक मुकुल कानिटकर, लेखक नीलेश नीलकंठ ओक, प्रो. गौरी माहुलिकर, प्रो. पंकज जोशी, प्रो. रामनाथ झा, कैप्टन प्रवीण चतुर्वेदी, मृत्युंजय गुहा मजूमदार और विशाल चौरसिया जैसे प्रमुख वक्ता भी इस आयोजन में भाग लेंगे।

500 शंकरदूतों का होगा दीक्षा संस्कार

वहीं इस आयोजन को लेकर समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि, पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 2 मई को आचार्य शंकर प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर 500 शंकरदूतों का दीक्षा संस्कार अभय घाट पर संतों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा। पर्व के समापन दिवस पर प्रात: काल में विद्वानों का अलंकरण किया जाएगा, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान शाम 5 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा नर्मदा घाट पर 10,000 दीपों का प्रज्ज्वलन और नर्मदा आरती का आयोजन किया जाएगा। ज्ञात हो कि ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास एवं संस्कृति विभाग, मप्र शासन द्वारा एकात्म धाम प्रकल्प के अंतर्गत 108 फीट ऊंची एकात्मता की मूर्ति का निर्माण किया जा चुका है तथा अद्वैत लोक संग्रहालय एवं अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

27 प्रतिशत आरक्षण की लड़ाई लड़ेगा मीणा समाज

भोपाल में की बैठक, 1 मई से होगी सदस्यता अभियान की शुरुआत

भोपाल ■ निसं

भोपाल में मीणा समाज शक्ति संगठन ने रविवार को गांधी भवन में अपनी प्रदेश स्तरीय बैठक की। बैठक में निर्णय लिया कि पिछड़े वर्ग के छात्रों के सेंट्रल कास्ट सर्टिफिकेट की वैलिडिटी 5 साल की कराई जाएगी। अभी इसकी वैलिडिटी सिर्फ 1 साल की हैं। बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्याम मीणा और प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार पटेल ने यह प्रस्ताव रखा है। संगठन अपनी मांग को लेकर ज्ञापन सौंपेगा, आंदोलन और प्रदर्शन भी करेगा।

महामंत्री माखन मीणा ने बताया कि 1 मई से प्रदेश में सदस्यता अभियान की शुरुआत की जाएगी। इसमें सामान्य और सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे। प्रदेश प्रवक्ता घनश्याम रावत ने कहा कि जून और जुलाई माह में संगठन की कार्यकारिणी का गठन होगा। इस साल प्रदेश स्तरीय प्रैक्टिस सेशन गांधी सागर डेम पर आयोजित किया जाएगा।

संगठन के स्थापना दिवस पर 'गोत्र वाटिका' बनेगी: मीणा समाज के विभिन्न जिलों में प्रैक्टिस सेशन अगस्त में आयोजित होंगे। वहीं, प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सितंबर में होगा। संगठन के स्थापना दिवस पर पूरे प्रदेश में कुल गोत्र के पौधों का रोपण कर 'गोत्र वाटिका' बनाई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आई.टी.आई खण्डवा में 1 मई को लगेगा रोजगार मेला

खण्डवा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया है कि 1 मई को रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन स्थान आई.टी.आई खण्डवा में प्रात: 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक किया जाएगा, जिसमें विभिन्न कम्पनियों के द्वारा तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र में बेरोजगार युवक एवं युवतियों की निजी क्षेत्र में भर्ती की जाएगी। शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं, आई.टी.आई डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष तक वेतनमान 8 हजार रूपये से 20 हजार रुपये दिया जाएगा। अन्य सुविधा कम्पनियों के नियमानुसार रहेगी। इच्छुक आवेदक अपने समस्त मूल दस्तावेज की फोटो कॉपी, 4 पासपोर्ट साईज फोटो, समग्र आईडी, अधार कार्ड, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन कार्ड के साथ उपस्थित होकर मेले का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सड़क दुर्घटना में मृत श्रमिक के परिवार को मिलेगा संबल योजना का लाभ

खरगोन। 28 अप्रैल को सड़क दुर्घटना में नगरपालिका खरगोन के ठेका श्रमिक राजेश सोलंकी की मृत्यु हो जाने पर कलेक्टर द्वारा मृतक के परिवार को हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन द्वारा मृतक के परिवार को संबल योजना का लाभ दिलाने के साथ ही 50 हजार रुपये की सहायता राशि मंजूर की है और मृतक की पत्नि को नगरपालिका में पति के स्थान पर नौकरी दिलाने कहा गया है। एसडीएम श्री बीएस कलेश, शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी कुशल सिंह डुडवे एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी एमआर निगवाल ने मृतक के घर जाकर उसकी पत्नि को अन्तेष्टि सहायता के रूप में 10 हजार रुपये की राशि प्रदान की है। मृतक राजेश का संबल योजना में पंजीयन होने के कारण उसके परिवार को 04 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिलाने का प्रकरण तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही मृतक की पत्नि को नगरपालिका में पति के स्थान पर काम दिलाया जाएगा।

शादी समारोह के दौरान चार वर्षीय मासूम से हैवानियत

जबलपुर। एक गांव में पड़ोस में विवाह समारोह के दौरान चार वर्षीय बच्ची के साथ दुराचार की शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुराचार और पास्को के तहत प्रकरण दर्ज कर किया है। घायल बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। उपचाररत बच्ची की हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी धन्नू सिंह के अनुसार थाना अंतर्गत स्थित ग्राम में विगत 26 अप्रैल को विवाह समारोह था। गांव में पान उमरिया से बारात आई हुई थी। पड़ोस में रहने वाली महिला ने विवाह समारोह में शिरकत करने अपनी चार वर्षीय बच्ची को तैयार किया था। इसके बाद बच्ची मकान के ऊपरी हिस्से में रहने वाली ताई के घर गई थी और नीचे आने के बाद गायब हो गई। बच्ची की मां भी तैयार होने के बाद विवाह समारोह में शामिल होने चली गई थी। बच्ची के नहीं मिलने पर उसकी तलाश की। रात लगभग 10 बजे बच्ची घर से लगभग दो सौ मीटर दूर सड़क में मिली। परिजन बच्ची को लेकर घर पहुंचे पता चला कि उसके गुप्तांग से खून निकल रहा है। परिजनों ने घटना कर रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करवाई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर बच्ची को उपचार के लिए जबलपुर स्थित एलगिन महिला अस्पताल में भर्ती किया कराया है। अस्पताल में बच्ची का उपचार जारी है और उसकी हालत स्थिर है।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, मानक अनुसार ही हो खरीदी- कलेक्टर

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर ने कहा है कि जिले में रबी विपणन के तहत चल रहे उपार्जन कार्य को पूरी पारदर्शिता और किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संचालित किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि खरीदी के दौरान गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और शासन के निर्देशानुसार मानक अनुरूप ही खरीदी की जाए। उन्होंने सभा एसडीएम को उपार्जन केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खरीदी की समीक्षा के दौरान कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए ठंडे पेयजल, छाया और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही तुलाई प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए तौल कांटों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि किसानों को लंबे समय तक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

अगले तीन दिन बदला रहेगा मौसम

मध्य प्रदेश में बारिश और ओले के बीच 44 डिग्री पहुंचा दिन का पारा

रतलाम ■ निसं

मध्य प्रदेश में सोमवार को जहां कई जिलों में बादल छाए रहे वहीं रतलाम में पारा 44 डिग्री दर्ज किया गया। एक ही दिन में 3.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। प्रदेश के 17 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार रहा।

मध्य प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है सोमवार को जहां कई जिलों में बादल छाए रहे वहीं रतलाम में पारा 44 डिग्री दर्ज किया गया। एक ही दिन में 3.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन के साथ प्रदेश के 17 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। जबकि एक दिन पहले पूर्वी हिस्से में बारिश का दौर चला।

छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, सागर, विदिशा, नरसिंहपुर, सिवनी, उमरिया समेत कई जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने चार दिन तक मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 4 दिन तक ओले, बारिश और आंधी का दौर बना रहेगा। साथ ही कई जिलों में तेज गर्मी का भी असर रहेगा।

सबसे ज्यादा गर्म रहा रतलाम: सोमवार के रतलाम सबसे गर्म रहा यहां का अधिकतम तापमान 44 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि धार में 42.9 डिग्री, नरसिंहपुर में 42.2 डिग्री, खंडवा में 42.1 डिग्री, खरगोन-गुना में 42 डिग्री, शाजापुर में 41.4 डिग्री, सागर-नौगांव में 41.1 डिग्री, दमोह, रायसेन-खजुराहो में 41 डिग्री और नर्मदापुरम में 40.6 डिग्री रहा। बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन में सबसे ज्यादा 42 डिग्री, भोपाल में 41.2 डिग्री, इंदौर में 41.4 डिग्री, ग्वालियर में 41.8 डिग्री और जबलपुर में पारा 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगले तीन दिन ऐसा रहेगा प्रदेश का मौसम: 29 अप्रैल: ग्वालियर, भिंड, दतिया, मुरैना, श्योपुर,गुना, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, इंदौर, देवास, खरगोन और खंडवा में लू चलने का अलर्ट है। छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

30 अप्रैल: ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया,भिंड में दिन में लू चलेगी, जबकि रात में हल्की बारिश हो सकती है। अशोकनगर, गुना, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, इंदौर, देवास, खरगोन, खंडवा एवं बुरहानपुर में लू चल सकती है। रीवा, मऊगंज, सीधी और अनूपपुर में बूंदाबांदी के आसार है।

1 मई: इंदौर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन,अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, नीमच, मंदसौर, गुना, अशोकनगर में लू का अलर्ट है। वहीं, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया में दिन में लू और रात में बारिश हो सकती है। निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, रायसेन, जबलपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, मैहर और सतना में बारिश का अलर्ट है।

इस वजह से ऐसा मौसम

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। अगले चार दिन तक कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। वहीं, गर्मी का असर भी बना रहेगा।

प्रभारी मंत्री ने ग्राम पंचायत कोठी में प्राचीन बावड़ी पर जीर्णोद्धार हेतु भूमि पूजन किया

खंडवा ■ निसं

मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने खंडवा जिले के ओंकारेश्वर ग्राम पंचायत कोठी पहुंच कर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी जीर्णोद्धार कार्यक्रम में शामिल होकर देवी अहिल्या द्वारा निर्मित प्राचीन बावड़ी पर डगवेल कार्य का भूमि पूजन किया गया।

कार्यक्रम में मंत्री एवं विधायक द्वय मांधाता विधायक नारायण पटेल, खंडवा विधायक श्रीमति कंचन तनवे एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा बावड़ी परिसर में साफ-सफाई की। इस दौरान कलेक्टर ऋषव गुप्ता, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, पुनासा एस.डी.एम. शिवम प्रजापति सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे। इस दौरान मंत्री श्री लोधी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थानीय उपस्थित ग्रामीणजनों को जल संरक्षण के लिए शपथ दिलाई।

प्राचीन श्री कोटितीर्थ घाट पर चलाया गया विशेष सफाई अभियान

तीर्थनगरी ओंकारेश्वर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की पहल

खंडवा ■ निसं

तीर्थनगरी ओंकारेश्वर को स्वच्छ और सुंदर बनाने हेतु खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता द्वारा पहल में सहभागिता निभाते हुए सोमवार को अमावस्या पर्व के अगले दिन यहां के प्राचीन श्री कोटितीर्थ घाट पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें पर्यावरण प्रेमी संत शिवगिरी महाराज, समाजसेवी अर्पण दुबे के साथ श्री ओंकारेश्वर मंदिर संस्थान की टीम ने सेवाएं दीं। महीने में एक बार हर अमावस्या के अगले दिन सफाई अभियान चलाया जाता है, जिसके अंतर्गत यहाँ के मुख्य 10 घाटों के लिए एसडीएम श्री शिवम प्रजापति ने 10 टीमें बनाई हैं, जो लगातार इस अभियान में लगी हुई हैं, जिसमें पार्षद सुनील सोने और वार्ड वासी, नाविक संघ, व्यापारी संघ, नगर के कुछ आश्रम, धार्मिक संगठन आदि शामिल हैं।

सोमवार को चलाए गए इस अभियान में मां नर्मदा से बड़ी संख्या में कपड़े, सहित घाट पर पसरी गंदगी हटाई गई। दुकानदार भी अभियान में शामिल हुए। सफाई अभियान में शामिल हुए महेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि ओंकारेश्वर मंदिर के ठीक नीचे स्थित अतिप्राचीन कोटितीर्थ घाट धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, लेकिन यहाँ दुकानों को व्यवस्थित तरीके से लगवाया जाना चाहिए, ताकि घाट की सुंदरता और अच्छी लगे।

जनपद पंचायत भगवानपुरा को प्रदान किया आईएसओ सर्टिफिकेट

खरगोन। नागरिक को सुविधाओं प्रदान करने एवं प्रबंधकीय संचालन में उत्कृष्ट कार्य के लिए जनपद पंचायत कार्यालय भगवानपुरा को ISO 9001-2015 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह ने जनपद पंचायत भगवानपुरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पवन शाह को सर्टिफिकेट प्रदान किया और इस उपलब्धि के लिए सराहना की।

सुसाइड का वीडियो बनाकर फंदे पर लटका युवक, कहा - उसने मुझे धोखा दिया

उज्जैन। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक युवक आत्महत्या करने के पहले यह कहता नजर आ रहा है कि वह जिस लड़की से 2 सालों से प्यार करता था उसने धोखा दे दिया। वह अब मुझसे प्यार नहीं करती और दूसरे लड़कों से बात करती है। उसकी इसी बेवफाई के कारण मुझे ये कदम उठाना पड़ रहा है। पुलिस के अनुसार सुबह सूचना मिली थी कि छोटी मायापुरी क्षेत्र के अमन नगर में रहने वाले सर्वेश पिता नीलकंठ रायकवार में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी है। चिमनगंज थाना पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक को अस्पताल भिजवाया और इस मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार पूरा मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है। मृतक सर्वेश दिल्ली में रहने वाली एक लड़की से पिछले दो सालों से बात करता था। शुरुआत में तो सब कुछ ठीक चलता रहा दोनों आपस में बातचीत करने के साथ-साथ मिलते भी रहे लेकिन सर्वेश को जब इस बात पर शक हुआ कि उससे बात करने वाली लड़की और भी लड़कों से बातचीत करती है तो उसने लड़की को समझाया लेकिन जब वहां नहीं मानी तो सर्वेश को लगा जैसे लड़की ने उसे प्यार में धोखा दे दिया है।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

खरगोन ■ निसं

कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने 28 अप्रैल को टीएल बैठक में समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह, अपर कलेक्टर रेखा राठौर, सहायक कलेक्टर जामदार फरहान इरफान, संयुक्त कलेक्टर हेमलता सोलंकी, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर पूर्वा मंडलोई एवं सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि कोई भी विभाग बी एवं सी ग्रेड में नहीं रहना चाहिए। सभी 'ए' ग्रेड में आने के लिए प्रयास करें। 50 दिन एवं 300 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए। सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि राजस्व विभाग की 300 दिन से अधिक की शिकायतों को वे स्वयं देखें और उनके निराकरण की समीक्षा करें।

केपीआई के आधार पर की गई समीक्षा

बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं कार्यों की केपीआई (मुख्य परफार्मेंस इंडिकेटर) के आधार पर साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अंतर्गत छात्रवृत्ति के भुगतान, छात्रावासों में रिक्त सीटों पर प्रवेश, नल-जल योजनाओं के ग्राम पंचायतों के हस्तांतरण, राजस्व विभाग के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वास्थ्य विभाग के आयुष्मान कार्ड बनाने एवं हितग्राहियों के ईलाज पर हुए व्यय के भुगतान, गर्भवती माताओं के पंजीयन, संस्थागत प्रसव की संख्या, टीकाकरण, नगरीय क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि योजना में ऋण वितरण, संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता वितरण, मनरेगा में रोजगार सृजन एवं निर्माण विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई।

पहलगाम के वीडियो देखने पर ट्रेन में इंदौर के युवक के साथ मारपीट

बोले-देशभक्ति ट्रेन के बाहर दिखा

इंदौर ■ निसं

शुजालपुर निवासी अनमोल इंदौर में रहकर पढ़ाई करता है। वह शुजालपुर से ट्रेन में सवार हुआ था। ट्रेन में उनसे अपने मोबाइल पर पहलगाम के वीडियो देखना शुरू किए। सामने की सीट पर चंदन नगर क्षेत्र का परिवार बैठा था।

शुजालपुर से ट्रेन में सवार होकर इंदौर लौट रहे एक युवक के साथ बोगी में सवार वर्ग विशेष के कुछ युवकों ने मारपीट की। दरअसल युवक पहलगाम आतंकी घटना से जुड़े वीडियो देख रहा था और उसकी आवाजें दूसरे यात्रियों को भी सुनाई दे रही थी। इस पर कुछ युवकों ने आपत्ति ली। दोनो के बीच विवाद हो गया। इसके बाद युवक अनमोल परमार के साथ दूसरे पक्ष के युवकों ने मारपीट की। उसके हाथ में भी चोट आई है। इंदौर आकर अनमोल ने जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

शुजालपुर निवासी अनमोल इंदौर में रहकर पढ़ाई करता है। वह शुजालपुर से ट्रेन में सवार हुआ था। ट्रेन में उनसे अपने मोबाइल पर पहलगाम के वीडियो देखना शुरू किए। सामने की सीट पर चंदन नगर क्षेत्र का परिवार बैठा था।

परिवार के युवकों ने अनमोल को वीडियो देखने से रोका तो अनमोल ने आपत्ति ली। आरोपियों ने अनमोल से कहा कि तुझे देशभक्ति दिखाना है तो ट्रेन के बाहर दिखा। अनमोल ने लिखित शिकायत में कहा कि आरोपियों ने ट्रेन से धक्का देने की कोशिश की।

लोकमाता देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती कार्यशाला संपन्न

महिलाओं के सकारात्मक विकास से ही परिवार का समग्र विकास संभव - महेश कुमार भमौरे

खंडवा ■ निसं

नारी बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती इसलिए महिलाओं को सशक्त करना आज की महती आवश्यकता है। महिलाओं को सशक्त करने के लिए उनका शिक्षित होना, आत्मनिर्भर होना व उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में निपुणता प्राप्त करना अनिवार्य है। ज्ञान नहीं तो सम्मान नहीं।

महिलाओं के सकारात्मक विकास से ही परिवार का समग्र विकास संभव है। महिलाओं को सशक्त किए बिना कोई भी देश विकास नहीं कर सकता। महिला सशक्तिकरण के लिए बेटा व बेटी एकसमान हैं, ऐसी सकारात्मक सोच विकसित किया जाना चाहिए।

यह बात प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेन्स श्री नीलकण्ठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खंडवा में लोकमाता देवी अहिल्या की 300वीं जयन्ती के अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण में देवी अहिल्या बाई का योगदान विषय पर सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता एवं मास्टर ट्रेनर श्री महेश कुमार भमौरे द्वारा कही गयी। उन्होंने लोकमाता देवी अहिल्या के द्वारा किए गए महिला सशक्तिकरण आत्मरक्षा, सामाजिक सुधार, सती प्रथा, पेय जल हेतु कुएं एवं बावड़ियों के निर्माण कार्यों को विस्तृत रूप से बताया।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. मनीषा सिंह अंग्रेजी विभागाध्यक्ष एस.एन. कॉलेज द्वारा बताया गया कि लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए ही देवी अहिल्या को लोकमाता के रूप में सम्मानित किया जाता है। देवी अहिल्या का महिला सशक्तिकरण का विषय आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना कि उस समय था। महिला को सशक्त बनाना अति आवश्यक है यह बात देवी अहिल्या ने उस समय ही अनुभव कर ली थी। इसलिये देवी अहिल्या महिलाओं के सशक्त बनाने के लिये प्रयास करती रही।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. कुलदीप सिंह फरे हिन्दी विभागाध्यक्ष एस.एन. कॉलेज द्वारा स्त्री व पुरूष दोनों के शिक्षित होने पर ही समाज शिक्षित होगा। उनके द्वारा कहा गया कि नारी तुम केवल श्रृद्धा हो, विश्वास रजत नभ तल में, पियुष श्रोत सी बहा करो, जीवन के सुंदर समतल में। जीवन के दो पहलू है स्त्री व पुरूष। स्त्री व पुरूष दोनों की प्रगति आवश्यक है। स्त्री की प्रगति न होने पर किसी भी देश की शत-प्रतिशत प्रगति नहीं हो सकती। यही कल्पना देवी अहिल्या की थी, इसलिए उन्होंने नारी को सशक्त बनाने की पहल की। कार्यक्रम का शुभारंभ देवी अहिल्या की फोटो एवं मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में एस.एन. कालेज के प्राचार्य डॉ. सोमपाल सिंग, खेल अधिकारी श्री अमित अब्राहम व एन.सी.सी. केडेट्स व महिला एवं बाल विकास विभाग से प्रभारी परियोजना अधिकारी खंडवा शहरी श्रीमती रेणुका यादव व पर्यवेक्षक श्रीमती भावना पाटीदार, श्रीमती अनिता विबाल, श्रीमती सुनीता पटेल व श्रीमती शीतल शर्मा , कांति कटारे व समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गणेशगंज व अम्बेडकर वार्ड सहित लगभग 180 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

सीएसआर फंड से करें कुओं को पुर्नजीवित एवं बावड़ियों का जीर्णोद्धार - कलेक्टर

सीहोर ■ निसं

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण गतिविधियों में औद्योगिक इकाइयों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिले के उद्योग प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर बालागुरू के द्वारा उद्योग विभाग एवं औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित की जा रही जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों की समीक्षा भी की गई। बैठक जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि उद्योगों की भूमिका जल संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। कलेक्टर बालागुरू के. ने औद्योगिक इकाइयों में जल संरक्षण के लिए रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं ग्राउंड वाटर रिचार्ज सिस्टम स्थापित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नालों में मिलने वाले अपशिष्ट पदार्थों के निपटान के संबंध में अपशिष्ट संयंत्र लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जल के अपव्यय को रोकने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाए तथा सीएसआर फंड से बावड़ियों का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण तथा कुओं को पुनर्जीवित करने का कार्य किया जाए।

अनमोल वचन

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
अमरीकी कहावत

सम्पादकीय

जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए थे वह पिछले 10 सालों में हो गया

वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव की पीड़ा सोशल मीडिया में देखने को मिली। वर्तमान परिपेक्ष में जो हालात हैं। उसकी गहरी चिंता को उजागर करती है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बेरसन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद जिस प्रकार भारत में कुछ संगठनों ने नफरत और विभाजन का नैरेटिव खड़ा करना शुरू कर दिया है, उससे गृह युद्ध जैसी स्थितियां पैदा होने के अंदेशा होने लग गया है। जो सामाजिक असंवेदनशीलता का परिचायक है। जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, उसको देखते हुए देश के सामूहिक सोच और विवेक पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। उन्होंने पीड़ा व्यक्त करते हुए कड़े शब्दों में कहा, उनके बहुत से पूर्व मित्र अब धार्मिक भेदभाव को लेकर 'भेड़िए' बन गए हैं। कैसे प्रति हिंसा की आग में अपने ही अपनों को नोचने लगे हैं। इस सोच ने घर-घर में लोगों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है। उनका यह आक्रोश व्यक्तिगत नहीं, बल्कि व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय चिंतन की अभिव्यक्ति है। पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद जिस तरह की स्थितियां भारत मे निर्मित हो रही हैं, उसको लेकर भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश के लिए, इस कठिन समय पर सामूहिक संयम और विवेक की सबसे अधिक जरूरत है। आतंकवादी हमलों का उद्देश्य केवल जान-माल की क्षति नहीं होता। आतंक का उद्देश्य केवल सत्ता तक पहुंचना भी नहीं होता है। आतंकवाद सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का भी काम करता है। पाकिस्तान सीधे-सीधे कभी भारत से मुकाबला नहीं कर सकता है। इसे खुद पाकिस्तान बेहतर जानता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान प्रयोजित आतंकवाद ने जिस तरह से धर्म पूछ कर निर्दोष लोगों की हत्या की है, वह निंदनीय है और सख्त से सख्त सजा की हकदार है। भारत में जिस तरह से पिछले कई वर्षों में मुस्लिम समुदाय को लेकर कुछ अतिवादी हिंदू संगठनों द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया गया है, वह पाकिस्तान जैसे देश के लिए एक हथियार बन गया है। भारत में यदि हिंदू-मुस्लिम के नाम से झगड़े होते हैं। गृह युद्ध जैसी स्थिति होती है। इसमें नुकसान भारत का ही होना है। पाकिस्तान जो चाहता था, वही भारत के हिंदूवादी संगठन कर रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों की यह सुनियोजित कोशिश थी। भारत के भीतर हिन्दू-मुस्लिम विभाजन को गहरा किया जाए। पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद जिस तरह की स्थितियां भारत मे निर्मित हो रही हैं, उसको लेकर भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश के लिए, इस कठिन समय पर सामूहिक संयम और विवेक की सबसे अधिक जरूरत है। आतंकवादी हमलों का उद्देश्य केवल जान-माल की क्षति नहीं होता। आतंक का उद्देश्य केवल सत्ता तक पहुंचना भी नहीं होता है। आतंकवाद सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का भी काम करता है। पाकिस्तान सीधे-सीधे कभी भारत से मुकाबला नहीं कर सकता है।दुर्भाग्य से देश के भीतर कुछ तत्व पाकिस्तान की इस साजिश का आवेश में आकर या जानबूझकर हिस्सा बनते दिखाई दे रहे हैं। राहुल देव ने कहा पाकिस्तान ने जो चुनौती पहलगाम में पर्यटकों की हत्या करके दी है, उसका मुकाबला हम पाकिस्तान के तरीके से नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा भारत के पढ़े-लिखे वर्ग में वही मानसिकता देखने को मिल रही है, जो तथाकथित राष्ट्रवाद की आड़ में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व भी इस ज़हर के खिलाफ मुखर नहीं हो रहे हैं, जिसके कारण और भी स्थिति भयावह हो रही है। जब समाज का पढ़ा-लिखा तबका और जिम्मेदार लोग ही भड़काऊ विचार विमर्श का हिस्सा बन जाएंगे, तब देश का भविष्य क्या होगा। भारत भी पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ा है। भारत में यह खतरा मंडराने लगा है। आज आवश्यकता है, हम सभी भारतवासी आतंकवाद का जवाब राष्ट्रीय एकजुटता से दें। भारत की ताकत, उसकी विविधता और सामाजिक सौहार्द्र में है। यदि हम आतंकियों के जाल में फंसकर एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हो जाएंगे, तो यह देश के दुश्मनों के मंसूबों को मजबूत करेगा। यह चेतावनी केवल शब्द नहीं है, यह समय की पुकार है। इस संकट के समय गुस्से को, विवेक से नियंत्रित करना होगा। नफरत के जाल में नहीं फंसना होगा।आतंकवाद सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का भी काम करता है। पाकिस्तान सीधे-सीधे कभी भारत से मुकाबला नहीं कर सकता है।दुर्भाग्य से देश के भीतर कुछ तत्व पाकिस्तान की इस साजिश का आवेश में आकर या जानबूझकर हिस्सा बनते दिखाई दे रहे हैं। हम सभी को यह याद रखना होगा, भारत तब तक अजेय रहेगा, जब तक हम भीतर से अखंड रहेंगे। जो काम भारत में अंग्रेज नहीं कर पाए थे। हिंदू मुस्लिम की एक जुटता से हम अंग्रेजों को भारत से भागने में कामयाब हो पाए थे। पिछले तीन-चार दशकों में हिंदू मुसलमान के बीच मतभेद पैदा कराके आज हम जिस तेजी से आगे बढ़ चले हैं, वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है। जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए थे। वह हमने स्वयं करके दिखा दिया है। सत्ता में बने रहने के लिए जिस तरह से आतंक का सहारा लिया जा रहा है। यह भारत के लिए बड़ी चुनौती है। नफरत की खेती भारत में सत्ता पाने के लिए शुरू हुई थी। वह चरम पर पहुंच गई है। इसका हश्र क्या होगा, इसको लेकर सभी ओर चिंता देखने को मिल रही है। इसके लिए अब जनता को स्वयं सामने आना पड़ेगा। अन्यथा हमें भी पाकिस्तान अथवा तालिबानी बनते देर नहीं लगेगी।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

भारत-पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंचा

भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर रहना तथा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को देर शाम सभी मीडिया चैनलों प्लेटफॉर्मों के लिए एडवाइजरी जारी करना यह किसी बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा करता है, जिसपर पूरा विश्व नजरे गड़ाए बैठा है,क्योंकि पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत ने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत के पक्ष में पुणे समर्थन दिया है, इसीलिए किसी ठोस कार्रवाई की उम्मीद लगाना वाजबी भी है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर अब दुनियाँ के हर देश की ऐसी विचारधारा हो गई है कि,भारत अब दम रखता है, वैश्विक निर्णयों में हस्तक्षेप,अर्थव्यवस्था में दखल औरअंतरराष्ट्रीय मंचों पर दमक व विकसित देशोंमें पैठ के चलते पहलगाम हमले नें मानों सोए शेर को जगा दिया है, या यूं कहें कि दुश्मन ने मधुमक्खियां के छत्ते में हाथ डाला है तो अंजाम तो भुगतना पड़ेगा ही, हालांकि भारतीय फौजी नेता या विशेषज्ञों ने सीधे तौर पर कोई बयान नहीं दिया है परंतु मेरा मानना है कि बौद्धिक क्षमता में निपुण हर भारतीय अब समझ गया है कि सरकार अब पहलगाम हमले का जबरदस्त जवाब देने के मूड में है, क्योंकि हम देख रहे हैं कि सिंधु नदी जल, वीजा, वाघा बॉर्डर इत्यादि पर सख्त फैसलों के बाद जम्मू के अस्पतालों मेडिकल कॉलेजों को अलर्ट करना, भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर रहना तथा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को देर शाम सभी मीडिया चैनलों प्लेटफॉर्मों के लिए एडवाइजरी जारी करना यह किसी बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा करता है, जिसपर पूरा विश्व नजरे गड़ाए बैठा है,क्योंकि पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत ने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत के पक्ष में पुणे समर्थन दिया है, इसीलिए किसी ठोस कार्रवाई की उम्मीद लगाना वाजबी भी है। चूँकि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत द्वारा पाक पर किसी सैन्य कार्रवाई या सर्जिकल स्ट्राइक की सुबसुबाहट हो रही है,पहलगाम हमले की जवाबीकार्रवाई पर सबकी नज़रें टिकी हुई है, तथा भारत-पाक ने सीमा पर तैनाती बढ़ाई है एवं केंद्र सरकार, विपक्ष, जम्मू कश्मीर सरकार, कश्मीरी आवाम हम साथ साथ हैं, वाली लाइन पर आ गए हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंचा, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी, जम्मू सरकारी मेडिकल, स्टाफ, दवाइयां, उपकरण तैयार रखने के आदेश ज़ारी।

साथियों बात अगर हम सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी करने की करें तो, राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी मीडिया चैनलों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सलाह जारी की है। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही से संबंधित किसी भी जानकारी का सीधा प्रसारण न किया जाए। दरअसल, इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाओं को कवर करने को लेकर मीडिया पर सवाल उठ चुके हैं। ऐसे में प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही मीडिया को सतर्क कर दिया है और सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है,राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे सुरक्षा संबंधी अभियानों से जुड़े मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी बरतें। मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करें। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि संवेदनशील जानकारी का असावधानीपूर्वक प्रसारण राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पुलवामा हमले के दौरान कुछ मीडिया चैनलों द्वारा सुरक्षा बलों की तैनाती और उनके ठिकानों की विस्तृत जानकारी प्रसारित करने पर सवाल उठे थे। विशेषज्ञों और रक्षा विश्लेषकों ने तर्क दिया था कि ऐसी जानकारी आतंकवादी समूहों तक पहुंच सकती है, जिससे सुरक्षा बलों के लिए जोखिम बढ़ जाता है।एडवाइजरी में कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले और कंधार विमान अपहरण जैसी पिछली घटनाओं का हलवा दिया गया है।मंत्रालय की यह सलाह इन घटनाओं से सबक लेते हुए उठाया गया कदम माना जा रहा है। यह दिशानिर्देश न केवल रक्षा अभियानों की गोपनीयता सुनिश्चित करेगा, बल्कि जनता में अनावश्यक भय और अफवाहों को भी रोकेगा।मंत्रालय नेमीडिया से अपील की है कि वे केवल सत्यापित और प्रामाणिक जानकारी ही साझा करें। यह सलाह सोशल मीडिया उपयोग कर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो अक्सर अनजाने में संवेदनशील जानकारी साझा कर देते हैं। मंत्रालय ने सभी से जिम्मेदार और सुरक्षित सूचना प्रसार की अपील की है, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता न हो। देशहित में मीडिया चैनल लाइव कवरेज करते हुए सावधानी बरतें। एडवाइजरी में 8 निर्देश दिए गए हैं। (1) राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स को सलाह दी जाती है कि वे अत्यंत जिम्मेदारी के साथ काम करें और रक्षा व अन्य सुरक्षा से संबंधित अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें। (2) विशेष रूप से-रक्षा अभियानों या बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार का रियल-टाइम कवरेज,लाइव प्रसारण,या सूत्रों परआधारित जानकारी का प्रकाशन नहीं किया जाना चाहिए, संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है और इससे अभियानों की प्रभावशीलता और सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। (3) पिछले घटनाक्रमों ने जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले (26/11), और कंधार अपहरण जैसी घटनाओं के दौरान, अनियंत्रित कवरेज का राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। (4) मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और पर्सनल यूजर राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यहहमारी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी भी है कि हम अपनी कार्रवाइयों से जारी अभियानों या सुरक्षा बलों की सुरक्षा से समझौता न करें। (5) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के नियम 6(1) (श्व) का पालन करने की सलाह दे चुका है। नियम 6(1) (श्व) कहता है कि, कोई भी कार्यक्रम केबल सेवा में प्रसारित नहीं किया जाएगा जिसमें किसी भी सुरक्षा बल द्वारा किए जा रहे किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान का लाइव कवरेज शामिल हो, जहां मीडिया कवरेज को केवल सरकार द्वारा नामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर ब्रीफिंग तक सीमित रखा जाएगा, जब तक कि ऐसा अभियान समाप्त नहीं हो जाता (6) यह ऐसा प्रसारण केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 का उल्लंघन है और इसके तहत कार्रवाई के लिए उत्तरदायी है। इसलिए, सभी टीवी चैनलों को सलाह दी जाती है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान और सुरक्षा बलों की गतिविधियों का लाइव कवरेज न करें।

सनातन धर्म और अक्षय तृतीया

अष्ट चिरंजीवियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महर्षि परशुरामजी का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। इसीलिए अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्री परशुराम जयन्ती मनाई जाती है। स्थान-स्थान पर चल समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी दिन श्री परशुरामजी के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं पर संस्मरणात्मक भाषण प्रसारित कर युवा पीढ़ी को महर्षि के विषय में अवगत करवाया जाता है।

डॉ श्रीमती शारदा मेहता

सनातन धर्म के तीज त्योहारों में अक्षय तृतीया का महत्व है। अष्ट चिरंजीवियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महर्षि परशुरामजी का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। इसीलिए अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्री परशुराम जयन्ती मनाई जाती है। स्थान-स्थान पर चल समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी दिन श्री परशुरामजी के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं पर संस्मरणात्मक भाषण प्रसारित कर युवा पीढ़ी को महर्षि के विषय में अवगत करवाया जाता है।

अक्षय तृतीया का दिन विशेष दान पुण्य का दिन है। इस दिन पितृ के निमित्त भी दान दिया जाता है-

एष धर्म घटो दत्रो ब्रह्म विष्णु शिवात्मकरू।
अस्य प्रदानात् तप्यन्त पितरोऽपि पितामहारू।।
(धर्म सिन्धु)

इस दिन खरबूजा, आम, पंखा, पानी से भरा कलश, शकर सत्तू, दक्षिणा सहित दान किया जाता है। ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ हो जाने से दान दी गई इन समस्त वस्तुओं का विशेष महत्व हो जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्व है।

इस पवित्र अवसर पर अबूझ मुहूर्त रहता है। अतरू कई समाज द्वारा सामूहिक विवाह, गृह प्रवेश मुंडन, यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन किया जाता है। यह एक प्रशंसनीय पहल है क्योंकि विवाह समारोह में धन का अपव्यय होता है। प्रतिस्पर्धात्मक आयोजन होने से फिजूल खर्च होता है। आलीशान होटलें और विशाल गार्डन जहाँ इव्हेन्ट मेनेजमेंट द्वारा विवाह समारोहों का आयोजन किया जाता है में अपनत्व का अभाव परिलक्षित होता है। आगन्तुक अतिथि अपने-अपने कक्ष में स्मार्ट फोन पर चर्चा में व्यस्त दिखाई देते हैं। संगीत निशा तथा प्री-वेडिंग कार्यक्रम भी प्रतिस्पर्धात्मक होते जा रहे हैं। अपनी क्षमता से अधिक नृत्य करने से कई प्रतियोगियों की जीवनलीला समाप्त हो जाती है, कुछ घायल भी हो जाते हैं। बारात के चल समारोह में नृत्य करते हुए आगे बढ़ना भी अत्यधिक चलन में है, जिससे सड़कों पर यातायात बाधित होता है। यह एक विचारणीय प्रश्न है जिसका निराकरण समाज के प्रबुद्धजनों को आपसी चर्चा के माध्यम से करना चाहिए। इन समारोहों में न्यूनता लाकर इनसे बचने वाली धनराशि को हम नव विवाहित दम्पति को उपहार स्वरूप दे दें तो उन्हें भविष्य में आवश्यकता के समय वे इसका सदुपयोग कर सकेंगे।

अक्षय तृतीया, वसन्त पंचमी, देवोत्थान एकादशी, देवशयनी एकादशी आदि ऐसी तिथियाँ हैं, जिन पर सामूहिक विवाह तथा उपनयन संस्कार का आयोजन कर कन्यादान का पुण्य अर्जित किया जा सकता है और एक बड़ी धनराशि का सदुपयोग नवयुगलों के लिए किया जा सकता है।

अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने वनवास के समय द्रौपदी को अक्षय पात्र भेंट किया था जो उन्हें सर्वदा उपयोग में आता था। एक बार दुर्वासा ऋषि अपने शिष्यों के साथ पांडवों से भेंट करने आए। अतिथि सत्कार के पश्चात् युधिष्ठिरजी ने उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया। द्रौपदी के लिये यह एक विपदा की घड़ी थी, क्योंकि अक्षय पात्र का भोजन समाप्त हो चुका था। उन्होंने श्रीकृष्ण से प्रार्थना की। तत्काल उन्हें चावल का एक कण अक्षय पात्र में दिखाई दिया। ऋषि दुर्वासा अपने शिष्यों के साथा नदी से स्नान कर वापस आए, तब तक सम्पूर्ण भोजन तैयार था। जब सभी ने अपनी क्षुधा पूर्ति की और आशीर्वाद देकर वहाँ से बिदा ली।

पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार पवित्र नदी गंगाजी का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण अक्षय तृतीया के दिन ही हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण के परम मित्र सुदामा भी अक्षय तृतीया के दिन ही द्वारिकापुरी में उनसे मिलने आए थे। श्रीकृष्ण ने उन्हें अक्षयदान दिया था जिसका सुदामाजी को ज्ञान नहीं था। कहा जाता है कि त्रेता युग का आरम्भ भी अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। हमारे सनातन धर्म में इतना अधिक महत्व रखने वाली अक्षय तृतीया के बारे में मत्स्य पुराण कहता है-

तृतीयां समभ्यर्च सोपवासो जनार्दनम्।
राजसूयफलं प्राप्य गतिमभ्ग्रा च विन्दन्ति।।
(मत्स्य पुराण अ. 65)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महान गणितज्ञ जूल्स हेनरी पोंकारे

संजय गोस्वामी

जूल्स हेनरी पोंकारे का जन्म 29 अप्रैल, 1854 को नैन्सी में हुआ था पोंकारे का परिवार पढ़ा लिखा और प्रसिद्ध था। उनके चचेरे भाई रेमंड फ्रांस के राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री थे, और उनके पिता लियोन नैन्सी विश्वविद्यालय में चिकित्सा के प्रोफेसर थे। उनकी बहन एलाइन ने अध्यात्मवादी दार्शनिक एमिल बुट्रोक्स से शादी की। पोंकारे ने पेरिस में खनन इंजीनियरिंग, गणित और भौतिकी का अध्ययन किया। 1881 से शुरू होकर, उन्होंने पेरिस विश्वविद्यालय में पढ़ाया। वहाँ उन्होंने भौतिक और प्रायोगिक यांत्रिकी, गणितीय भौतिकी और संभाव्यता के सिद्धांत, और आकाशीय यांत्रिकी और खगोल विज्ञान के अध्यक्षों का पद संभाला। अपने वैज्ञानिक करियर की शुरुआत में, 1879 के अपने डॉक्टरेट शोध प्रबंध में, पोंकारे ने अंतर समीकरणों द्वारा परिभाषित कार्यों के गुणों का अध्ययन करने का एक नया तरीका तैयार किया,पोंकारे एक विज्ञान और गणित के फ्रांसीसी दार्शनिक होने के साथ-साथ एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और गणितज्ञ भी थे। गणित की नींव में उन्होंने परम्परावाद के पक्ष में, औपचारिकता के विरुद्ध, तर्कवाद के विरुद्ध और कैंटर के अपने नए अनंत सेटों को मानवीय सोच से स्वतंत्र मानने के विरुद्ध तर्क दिया। पोंकारे ने गणित के लिए एक उचित रचनात्मक आधार में अंतर्ज्ञान की आवश्यक भूमिका पर जोर दिया। उनका मानना ??था कि तर्क विश्लेषणात्मक सत्यों की एक प्रणाली थी, जबकि अंकगणित इन शब्दों के कांट के अर्थ में संश्लेषणात्मक और पूर्वोक्त था। गणितज्ञ प्रमाण की जाँच करने के लिए तर्क के तरीकों का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन उन्हें प्रमाण बनाने के लिए अंतर्ज्ञान का उपयोग करना चाहिए, उनका मानना था। उन्होंने कहा कि गैर-यूक्लिडियन ज्यामिति यूक्लिडियन ज्यामिति जितनी ही वैध हैं, क्योंकि सभी ज्यामिति परंपराएँ या छिपी हुई परिभाषाएँ हैं। हालाँकि सभी ज्यामितियाँ भौतिक स्थान के बारे में हैं, लेकिन एक ज्यामिति को दूसरों के ऊपर चुनना अर्थव्यवस्था और सरलता का मामला है, न कि झूठे लोगों के बीच सही को खोजने का मामला। पोंकारे के लिए, विज्ञान का उद्देश्य व्याख्या करने के बजाय भविष्यवाणी करना है। हालाँकि हर वैज्ञानिक सिद्धांत की अपनी भाषा या वाक्यविन्यास होता है, जिसे परंपरा के अनुसार चुना जाता है, लेकिन यह परंपरा का मामला नहीं है कि वैज्ञानिक कथन तथ्यों से सहमत नहीं होता प्रयोग आवश्यक होता है । उदाहरण के लिए गुरुत्वाकर्षण को न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के अनुसार परिभाषित किया जाए या नहीं, लेकिन यह सिद्धांत का मामला नहीं है कि गुरुत्वाकर्षण एक ऐसा बल है जो आकाशीय पिंडों पर कार्य करता है या ऐसा करने वाला एकमात्र बल है। इसलिए, पोंकारे का मानना ??था कि वैज्ञानिक नियम में परंपराएँ हैं लेकिन मनमाने नियम नहीं हैं किसी ठोस वैज्ञानिक आधार जरूर है । पोंकारे का वैज्ञानिक प्रेरण के बारे में एक विशेष रूप से दिलचस्प दृष्टिकोण था। उन्होंने कहा कि नियम अनुभव के प्रत्यक्ष सामान्यीकरण नहीं हैं; वे ग्राफ़ पर बिंदुओं का मात्र सारांश नहीं हैं। बल्कि, वैज्ञानिक नियम को कुछ प्रक्षेपित वक्र के रूप में घोषित करना होता है जो कमोबेश वक्र होता है और इसलिए उनमें से कुछ बिंदुओं को छोड़ के पहले और आखिरी बिंदु से जो नतीजा मिलता है उसे वैज्ञानिक सिद्धांत पर माना जाए । इस प्रकार एक वैज्ञानिक सिद्धांत अनुभव के डेटा द्वारा सीधे तौर पर गलत साबित नहीं होता है; इसके बजाय, मिथ्याकरण प्रक्रिया अधिक अप्रत्यक्ष होती है। उन्होंने न केवल ऐसे समीकरणों के अभिन्न भाग को निर्धारित करने के सवाल का हल किया, बल्कि इन कार्यों के सामान्य ज्यामितीय गुणों का अध्ययन करने वाले पहले व्यक्ति भी थे।

खास बात

काली पट्टी बांधकर मुसलमानो ने पढ़ी नमाज

पहलगाम में आतंकवादी हमले में 28 पर्यटकों की मौत हो गई है। इसकी प्रतिक्रिया भारत के कोने-कोने में हुई है. मुसलमानो ने भी खुलकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। घाटी में पूरा बाजार बंद करके वहां के मुसलमानो और पंडितों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया है। देश के विभिन्न हिस्सों में मुसलमानो ने घटना का विरोध किया। इसके साथ ही शुक्रवार को जुम्मे की नमाज काली पट्टी बांधकर मस्जिद के अंदर पढ़ी गई है। यह पहली बार हुआ है। जब हिंदू हो या मुसलमान, या किसी भी जाति समुदाय के लोग हों, सबने इस घटना के विरोध में एक जुटता दिखाई है। इसके कारण ना तो आतंकवादियों का मंसूबा पूरा हुआ। नाही भारत के अंदर हिंदू-मुसलमान करने वाले अलगाववादियों का मंसूबा पूरा हुआ।

भारत के मुसलमान को पाकिस्तान के बॉर्डर पर छोड़ दो

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कहा,हमारी प्रधानमंत्री से अपील है। पाकिस्तान की बॉर्डर खोल दो,और हिंदुस्तान के मुसलमानो को वहां छोड़ दो। हम साबित कर देंगे,देश के मुसलमान भारत के प्रति वफादार हैं। आतंक किसी देश का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। आतंकवादियों को सजा मिलनी ही चाहिए। मुसलमानो ने स्वतंत्रता आंदोलन में भी अपनी देशभक्ति प्रदर्शित की है। एक बार फिर बॉर्डर खोलो, देशभक्ति क्या होती है, यह हम बताएंगे।

घाटी में आतंकवादियों के घर पर बुलडोजर का आतंक

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद आतंकवादियों के घरों को तोड़ने सरकार ने बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के तीन दिन बाद सेना के बुलडोजर अनंतनाग, ब्रिजबेहरा एवं अन्य स्थानों पर जहां आतंकवादी होने का कोई भी सबूत मिलता है। वहां पर बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। देखते ही देखते मकानों को ढहाया रहा है। बुलडोजर का जो खौफ अभी उत्तर प्रदेश में देखने को मिल रहा था। वही खौफ अब घाटी में देखने को मिल रहा है। यह अलग बात है कि जिन मकानों को तोड़ा गया है। वहां से किसी आतंकवादी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मकान टूटने से आतंकवादियों में दहशत फैलेगी। सरकार कुछ कर रही है, यह भी सभी को दिखेगा।

वीजा कैंसिल कर पाकिस्तान और बांग्लादेशियों की वापसी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ बैठक की है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के जिन नागरिकों को भारत मे वीजा दिए गए थे। उनके वीजा निरस्त कर उन्हें गिरफ्तार कर पाकिस्तान और बांग्लादेश की बॉर्डर पर छोड़ने के लिए फैसला किया गया है। गुजरात और मध्य प्रदेश में इसकी शुरुआत हो गई है। पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के जो नागरिक वीजा लेकर भारत आए थे। उन्हें पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। गुजरात में हिरासत में लेकर जुलूस निकालकर वापस भेजा जा रहा है। पाकिस्तान से जो हिंदू और सिंधी आए थे। उसके बारे में अभी तक सरकार ने स्पष्ट निर्देश नहीं दिए हैं। सरकार ने यह दिखा दिया है, जिस तरह से अमेरिका ने प्रवासियों को वापस भेजा था।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि दोइज, भौमवासरे, कृतिका नक्षत्रे, सौभाग्य योगे, वालव करणे, वृष की चंद्रमा, चंद्रदर्शन मुर्हूत, परसराम जयंती, प्रदोष, व्यापार, त्रिपुस्कर योग 36/3 सर्वार्थ सिद्ध योग, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, अधिकारी, शासक-प्रशासक, धनी-मानी, योगी-भोगी, लकड़ी का व्यापारी होगा।

मेष राशि- तनाव, उदर रोग, मित्र-लाभ, राजभय तथा पारिवारिक समस्या उलझेंगी।

वृष राशि- सुख, मांगलिक कार्य होगा, विरोध, मामले-मुकदमे में जीत की संभावना है।

मिथुन राशि- असंगति, हानि, विरोध, भय, यात्रा में हानि, सामाजिक कार्यों में सावधानी बरतें।

कर्क राशि- भूमि-लाभ, स्त्री-सुख, कार्य-प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्य होगा।

सिंह राशि- तनाव तथा श्वांस रोग से बचें, विरोधी चिन्ता, राजकार्य से लाभ होगा।

कन्या राशि- भूमिलाभ, स्त्री-सुख होगा, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्य ही होगा।

तुला राशि- प्रगति, वाहन का भय, भूमि-लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य की योजना बनेगी।

वृश्चिक राशि- कार्यसिद्धी, विरोध, लाभ, कष्ट, हर्ष, व्यय होगा, व्यापार में सुधार होगा।

धनु राशि- यात्रा से हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय में कमी किन्तु कुछ व्यवस्था भी बनेगी।

मकर राशि- शुभ कार्य, वाहनभय, रोगभय, धार्मिक कार्य में मन लगेगा, कुछ अच्छे कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि- अभीष्ट-सिद्धी, राजभय, कार्यबाधा, राज-कार्य में रुकावट का अनुभव होगा।

मीन राशि- अल्प हानि, रोगभय, सम्पर्क लाभ, राजकार्य में विलम्ब व परेशानी अवश्य बनेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

29 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 119 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 17.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 18.47 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 15.54 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.20 बजे, कौलव 17.32 बजे तदनन्तर तैतिल 03.49 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 01.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 29'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872329
जूलियन दिन 2460794.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 30
विशेष परशुराम जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.25 बजे से
चंद्र	वृष में	मिथुन	08.23 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.36 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.53 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.04 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.15 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.30 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.46 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.51 बजे से
		कुंभ	01.37 बजे से
		मीन	03.10 बजे से
		मेष	04.41 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्मा, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गई सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रृंगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रबंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सत बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुआओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालयवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृत्तांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ीं जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुईं। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपकी दूषित शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती हैं। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से अब तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई देती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडशी, मातंगी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी हैं। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शोध भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हो न हो कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानें या न मानें यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती हैं जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वार खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्ते को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौआ- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवताओं और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

संक्षिप्त समाचार

मयंक की वापसी अच्छी रही: जहीर

नई दिल्ली। पूर्व तेज गेंदबाज और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटॉर जहीर खान ने कहा है कि चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव समय के साथ लय हासिल कर लेंगे। जहीर के अनुसार जैसे-जैसे वह मैच खेलेंगे वह पहले वाली रफ्तार भी हासिल कर लेंगे। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मयंक एक साल से भी अधिक समय से खेल से दूर रहे हैं। गत वर्ष अक्टूबर में भारतीय टीम की ओर से टी20 प्रारूप में पदार्पण करने के बाद उन्हें पीठ और पैर की उंगलियों की चोट से गुजरना पड़ा है। मयंक ने गत दिवस मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में 40 रन देकर दो विकेट लेकर वापसी की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज खिलाड़ी रोहित शर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या के विकेट लिए।

सुपरजायंट्स को प्लेऑफ में पहुंचने अब जीतने होंगे चार में से तीन मैच

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के हाथों मिली हार के बाद अब लखनऊ सुपरजायंट्स टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। सुपरजायंट्स इस बार के बाद छठे नंबर पर खिसक गयी है। इस सत्र में अब तक उसे पांच हार मिली है। इसके अलावा उसका रनरेट भी -0.325 होने के कारण काफी नीचे चला गया है। ऐसे में अब उसे प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए चार में से कम से कम तीन मुकाबले जीतने होंगे। सुपरजायंट्स ने अपने शुरुआती 8 मैचों में से 5 में जीत हासिल की थी और ऐसे में 10 अंक के साथ ही वह शीर्ष 4 में थी और उसके प्लेऑफ की राज आसान नजर आ रही थी।

विराट ने राहुल के ही अंदाज में जश्न मनाया

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत के बाद उसी अंदाज में जश्न मनाया जिस प्रकार से राहुल ने एक सप्ताह पहले आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद मनाया था। आरसीबी ने अब दिल्ली के खिलाफ मैच 7 विकेट से जीता है। इस मैच में आरसीबी की टीम एक समय मुश्किल में थी पर इसके बाद कोहली ने क्रुणाल पंड्या के साथ साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी। विराट ने जीत के करीब पहुंचकर छक्का लगाने का प्रयास किया पर वह कैच हो गये। मैच समाप्त होने के बाद जब दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी आपस में बात कर रहे थे।

इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपना स्थान पक्का करना चाहेगी

आज होगा केकेआर और दिल्ली का मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपना स्थान पक्का करना चाहेगी। दिल्ली के अभी 12 अंक है ओर वह अंकतालिका में चौथे नंबर पर है, वहीं केकेआर की टीम 7 अंक के साथ ही सातवें नंबर पर है। इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार है। दिल्ली की टीम इस मैच में एक बार फिर जीत हासिल कर पिछले चार मैच में से दो में मिली हार से उबरना चाहेगी। दिल्ली की टीम की बल्लेबाजी अच्छी है। उसके पास केएल राहुल जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। शीर्ष क्रम में अभिषेक पोरेल भी बल्लेबाजी कर रहे हैं। राहुल इस सत्र में दिल्ली के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं हालांकि पिछले मैच में वह स्पिनरों के खिलाफ विफल रहेहे। ऐसे में उन्हें इस मैच में केकेआर के सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती की अनुभवी स्पिन जोड़ी से सतर्क रहना होगा।

दिल्ली को करुण नायर से भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की कमान कप्तान अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क संभालेंगे। बीच के ओवरों में कुलदीप यादव पर बल्लेबाजों पर अंकुख लगाने की जिम्मेदारी रहेगी। दिल्ली को अपने क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ उसने कई अवसर छोड़े थे।

वहीं दूसरी ओर केकेआर के अभी सिर्फ सात अंक हैं और टीम तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। टीम अपने पिछले तीन मैच में जीत दर्ज करने में विफल रही है, जिसमें दो में उन्हें हार मिली और एक मैच का परिणाम नहीं निकला। केकेआर को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए यह मैच हर हाल में जीतना होगा। आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं रही है। उसकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ,सुनील नरेन और रहमानुल्लाह गुरबाज व अंगकृष रघुवंशी पर आधारित रही है। मध्यक्रम में वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह अब तक विफल रहे हैं। टीम की गेंदबाजी वरुण के अलावा नरेन व वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा संभालेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेा राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिज्वी, दर्शन नालकडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जाधव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

केकेआर: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पावेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसोदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोईन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकारिया।

19वीं आई.टी.सी. प्रीमियर लीग रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेन्ट का शुभारंभ

इन्दौर, निप्र। इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित की जा रही शिवांगी सरिया 19वीं आई.टी.सी. प्रीमियर लीग 2025 रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेन्ट का शुभारम्भ नगर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा व ऑल इंडिया टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उद्घाटन समारोह में सतीष रावत, टूर्नामेन्ट को-ऑर्डिनेटर, अनीष अग्रवाल, शरद वर्मा एवं प्रवीण सराफ भी उपस्थित थे। इस रात्रि?कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेन्ट का आयोजन 26 अप्रैल से 04 मई, 2025 तक होगा, जिसमे 12 टीमें भाग ले रहीं हैं। उद्घाटन समारोह से पूर्व उपस्थित सभी लोगों ने पहलगांम में हुए आतंकी हमले के विरोध में काली पट्टी बांधकर एवं 2 मिनिट का मौन रखकर सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजली अर्पित की।

13 स्वर्ण पदक अपने नाम किए

दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत का जलवा

काठमांडू, एजेंसी। टीम स्पर्धाओं में पृथा वर्तिकार, अनन्या चंदे, हार्डी पटेल और दीया ब्रम्हचारी ने नेपाल को 3-1 से हराकर अंडर-19 लड़कियों का स्वर्ण पदक जीता। प्रतीति पॉल, आरुषि नंदी, अद्विका अरवल और तन्मयी साहा ने अंडर-15 लड़कियों के वर्ग में श्रीलंका को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

भारत ने दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते। इस साल की युवा एशियाई चैंपियनशिप इस की क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता में रविवार को विभिन्न श्रेणियों में भारतीय खिलाड़ियों ने दबदबा बनाया।

भारतीय टीम ने अंडर-19 लड़कियों, अंडर-15 लड़कों और अंडर-15 लड़कियों के वर्ग में तीन स्वर्ण पदक जीते। भारतीय युगल और मिश्रित युगल स्पर्धाओं सहित सभी छह स्वर्ण भी पदक जीते। इसके अलावा भारत ने अंडर-19 लड़कों और लड़कियों के एकल मुकाबलों में चार स्वर्ण पदक हासिल किए।

टीम स्पर्धाओं में पृथा वर्तिकार, अनन्या चंदे, हार्डी पटेल और दीया ब्रम्हचारी ने नेपाल को 3-1 से हराकर अंडर-19 लड़कियों का स्वर्ण पदक जीता। प्रतीति पॉल, आरुषि नंदी, अद्विका अरवल और तन्मयी साहा ने अंडर-15 लड़कियों के वर्ग में श्रीलंका को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

अंडर-19 लड़कों के एकल फाइनल में कुशाल चोपड़ा ने साथी भारतीय आर बालामुरुगन को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता जिससे भारतीयों ने शीर्ष दो स्थान हासिल किए। अंडर-19 लड़कियों के एकल में भी शीर्ष दो स्थान भारतीयों के नाम रहे जब अनन्या चंदे ने पृथा वर्तिकार को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

पाकिस्तान में होने वाले इस टूर्नामेंट से हटा भारत

एशियाई योगासन में भारत ने 83 स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते।

एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते। भारत ने तीन रजत और एक कांस्य पदक समेत इस चैंपियनशिप में कुल 87 पदक अपने नाम किए। जापान तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। मंगोलिया, ओमान, नेपाल शीर्ष पांच में रहे। चैंपियनशिप में कुल 21 देशों ने शिरकत की, जिसमें उज्बेकिस्तान, थाईलैंड, कजाखस्तान भी शामिल हैं।

इस्लामाबाद में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप से हटा भारत: पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ (पीवीएफ) ने रविवार को कहा कि भारत ने अगले माह इस्लामाबाद में होने वाली मध्य एशियाई वॉलीबॉल प्रतियोगिता से अपना दल हटा लिया है।

पीवीएफ के अधिकारी अब्दुल अहद ने कहा कि भारत ने 28 मई से जिन्ना परिसर में शुरू होने वाली चैंपियनशिप के लिए 22 खिलाड़ियों सहित 30 सदस्यीय टीम भेजने की पुष्टि की थी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक शहीद हुए थे, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। अहद ने कहा, भारतीय वॉलीबॉल अधिकारियों ने क्षेत्रीय संस्था को सूचित किया है कि उनकी सरकार ने पहलगाम में हुई घटना के बाद टूर्नामेंट के लिए उन्हें जारी किए गए एनओसी को रद्द कर दिया है। भारत की जगह अब अफगानिस्तान या श्रीलंका की टीम भाग लेगी। इस प्रतियोगिता में ईरान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की टीमें को हिस्सा लेना है।

व्यापार समाचार

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह बात कही

टैरिफ के तुलनात्मक मैट्रिक्स से भारत कई उत्पादों पर प्रतिस्पर्धा देने में सक्षम

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा वैश्विक टैरिफ माहौल के बावजूद भारत के अपने विशाल घरेलू बाजार, बड़े पैमाने पर लाभ और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के कारण प्रतिस्पर्धी बने रहने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों की तुलना में टैरिफ के तुलनात्मक मैट्रिक्स के नजरिए से भी देखा जाए तो भारत अधिक अनुकूल स्थिति में है।

पीटीआई को दिए गए एक हालिया साक्षात्कार में, संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री (डीओएनईआर) सिंधिया ने कहा कि चूंकि अन्य देशों को भी अलग-अलग स्तर के टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए भारत संभवत: पहले की तुलना में कई उत्पादों के मामले में अधिक प्रतिस्पर्धी बनकर उभरेगा।

उन्होंने कहा कि आकर्षक घरेलू बाजार ने वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों को यहां महत्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित करने के लिए आकर्षित किया है। उन्होंने भारत की आर्थिक वृद्धि की मजबूत गति और विनिर्माण एवं नवाचार पर नई दिल्ली की नीति का हवाला दिया।

मंत्री ने कहा, इसलिए मेरा मानना है कि टैरिफ के मौजूदा माहौल के बावजूद, भारत प्रतिस्पर्धी बना रहेगा, क्योंकि उसके पास बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्थाएं हैं, क्योंकि नवाचार बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के साथ आता है, जिससे वह इतने बड़े बाजार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो जाता है। इसलिए, अन्य देशों की तुलना में भी, भारत प्रतिस्पर्धी बना रहेगा।

इंडसइंड बैंक को वित्त वर्ष 2025 में 1960 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका: इंडसइंड बैंक को वित्त वर्ष 2025 में 1960 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका है। रविवार को जारी एक बयान में बैंक ने कहा कि डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में लेखांकन खामियों के कारण बैंक को वित्त वर्ष 2025 में 1,960 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। नियामकीय फाइलिंग में बैंक ने कहा है कि बाहरी लेखा परीक्षक ने 31 मार्च तक लाभ-हानि पर संचयी प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया। इसके मुताबिक बैंक को 1,959.98 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में लेखांकन चूक का जिक्र कर बैंक ने कहा कि उसने 1 अप्रैल, 2024 से ही आंतरिक डेरिवेटिव ट्रेड बंद कर दिया है। बैंक ने कहा, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में आंतरिक डेरिवेटिव व्यापारों के गलत लेखांकन की पहचान की गई है। काल्पनिक लाभ दर्ज किया जाना लेखांकन विसंगति का मुख्य कारण है।

तेजी से बढ़ रही स्वामित्व वाली संपत्तियों की बिक्री: भारत में सेकंडरी रियल एस्टेट मार्केट ने काफी तेजी से विकास किया है।?रियल एस्टेट कंसल्टेंसी फर्म स्क्वायर यार्ड्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी हिस्सेदारी महामारी से पहले की अवधि के 38 फीसदी से बढ़कर बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 43 फीसदी पहुंच गई?है। वहीं, प्राइमरी मार्केट की हिस्सेदारी बढ़कर 57 फीसदी पहुंच गईहै। सेकंडरी रियल एस्टेट मार्केट से तात्पर्य उन संपत्तियों की खरीद और बिक्री से है, जो पहले से ही स्वामित्व में हैं या जिन पर कब्जा है। सेकंडरी संपत्तियों की संख्या 2018-19 के 1.22 से बढ़कर 2024-25 में 2.33 लाख इकाई पहुंच गई। यह रिपोर्ट देश के सात प्रमुख शहरों बंगलूरू, हैदराबाद, मुंबई, नवी मुंबई, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, पुणे और थाणे में मकानों की खरीद-बिक्री के आंकड़ों पर आधारित है।?

आरबीआई गवर्नर ने स्टार्टअप पर दिया जोर, कहा

युवा अब एमएनसी में नौकरी करने की जगह उद्यमी बनना कर रहे पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के कार्यक्रम में आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। अब भारत तेजी से नौकरी चाहने वालों की बजाय नौकरी देने वालों का देश बनता जा रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्टार्टअप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत की युवा पीढ़ी की मानसिकता बदली है। अब युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में नौकरी की तलाश करने के बजाय उद्यमी बनना पसंद कर रहे हैं।

वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित अमेरिका-भारत आर्थिक मंच में अपने भाषण में गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। किसी ने भी अपना खुद का उद्यम शुरू करने के बारे में नहीं सोचा था। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग और प्रबंधन स्नातक उद्यमिता और स्टार्ट-अप की ओर रुख कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उद्यमिता की इस बढ़ती संस्कृति ने भारत को एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने में मदद की है। देश में लगभग 150,000 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप हैं, जिन्हें स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है।

आरबीआई गर्वनर ने कहा कि भारत में अब दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न हैं, जिनमें से कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च तकनीक क्षेत्रों से उभर रहे हैं। भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। यह 2015 के 81वें स्थान से चढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर आ गया है। निम्न-मध्यम आय वाले देशों में भारत अब पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि भारत तेजी से नौकरी चाहने वालों की बजाय नौकरी देने वालों का देश बनता जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधार से जोड़ने जैसी विभिन्न योजनाओं के डिजिटलीकरण से भारी बचत हुई है। राज्य सरकारों को समय पर धन मिलने से केंद्र सरकार को अपने नकदी प्रवाह को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में भी मदद मिली है।

भारत में एप डेवलपर्स की आय पांच साल में तीन गुना हुई

मुंबई। भारत में एप स्टोर इकोसिस्टम ने 2024 में डेवलपर बिलिंग और बिक्री में 44,447 करोड़ रुपए (5.31 बिलियन डॉलर) की सुविधा प्रदान की। इसकी जानकारी सोमवार को एक नई स्टडी से सामने आई है। स्टडी में सामने आया कि एप्पल को बिना कोई कमीशन दिए 94 प्रतिशत से अधिक का व्यापारिक लाभ केवल डेवलपर्स और विभिन्न आकार के कारोबार को मिला। कंपनी ने कहा, बीते पांच वर्षों में, भारत स्थित डेवलपर्स की वैश्विक आय तीन गुना हुई है, जो एप स्टोर द्वारा पेश किए जाने वाले जबरदस्त कारोबारी मौकों और वैश्विक पहुंच को दिखाता है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा, एप स्टोर भारत और दुनिया भर के डेवलपर्स के लिए एक आर्थिक चमत्कार रहा है और हम उनके काम को सपोर्ट करने के लिए बेहद खुश हैं।

भारत में एप्पल ऐप स्टोर ने 2024 में बिलिंग व बिक्री से कमाया मुनाफा

नई दिल्ली। भारत में एप्पल ऐप स्टोर परिवेश ने 2024 में डेवलपर बिलिंग और बिक्री से 44,447 करोड़ रुपये (5.31 अरब अमेरिकी डॉलर) अर्जित किए। कंपनी ने सोमवार को जारी एक नए अध्ययन में यह बात कही। भारतीय प्रबंधन संस्थान (अहमदाबाद) के एक प्रोफेसर द्वारा किए गए अध्ययन में सामने आया कि 4 प्रतिशत से अधिक राजस्व केवल डेवलपर और व्यवसायों से हासिल हुआ। इसमें एप्पल को कोई कमीशन नहीं दिया गया। अध्ययन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में भारत स्थित डेवलपर की वैश्विक आय तीन गुना बढ़ी है, जो ऐप स्टोर द्वारा प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त व्यावसायिक अवसर व वैश्विक पहुंच को उजागर करती है। ऐप्पल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ऐप स्टोर भारत और दुनिया भर के डेवलपर के लिए एक आर्थिक चमत्कार रहा है और हम उनके काम का समर्थन करने को उत्साहित हैं।

सीमा ट्रेड युद्ध: चीन के नेताओं ने कमजोर किया ट्रंप का प्रभाव

बीजिंग। चीन के नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के संभावित प्रभाव को कमतर आंकते हुए कहा कि उनके पास नौकरियों की रक्षा करने और चीनी निर्यात पर उच्च शुल्क से होने वाले नुकसान को सीमित करने की क्षमता है। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन किए। इनमें की गई बातों से प्रतीत होता है कि सरकार का मकसद कंपनियों तथा बेरोजगारों का समर्थन करना, आसान ऋण शर्तों और चीन से अमेरिकी आयात पर 145 प्रतिशत तक के शुल्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अन्य नीतियों के वादों के साथ विश्वास को बढ़ाना है।

सरकारी आंकड़े जारी किए गए

वित्त वर्ष 2025 में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 5.9 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों से यह पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि मार्च 2025 में मामूली रूप से घटकर 3 प्रतिशत रह गई। यह एक साल पहले इसी महीने में 5.9 प्रतिशत थी। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर फरवरी के 2.7 प्रतिशत से मामूली बढ़कर मार्च 2025 में तीन प्रतिशत हो गयी। सोमवार को इससे जुड़े आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। हालांकि, सालाना आधार पर मार्च में वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के 5.5 प्रतिशत से कम रही। इसका मुख्य कारण विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों का खराब प्रदर्शन रहा।

सरकार ने इस महीने की शुरुआत में जारी 2.9 प्रतिशत के अनंतिम अनुमान से फरवरी 2025 के लिए औद्योगिक विकास के आंकड़े को भी संशोधित कर 2.7 प्रतिशत कर दिया। आंकड़ों से पता चलता है कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया कारखाना उत्पादन मार्च 2024 में 5.5 प्रतिशत बढ़ा था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों से यह भी पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि मार्च 2025 में मामूली रूप से घटकर 3 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.9 प्रतिशत थी।

खनन उत्पादन की वृद्धि दर एक वर्ष पूर्व के 1.3 प्रतिशत से घटकर 0.4 प्रतिशत रह गई। मार्च 2025 में बिजली उत्पादन भी घटकर 6.3 प्रतिशत रह गया। एक साल पहले इसी अवधि में यह 8.6 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2024-25 में आईआईपी में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह आंकड़ा एक वर्ष पहले दर्ज 5.9 प्रतिशत से कम है।

व्यापार प्रतिबंधों के बाद भी लेन-देन

भारत से सालाना 10 अरब डॉलर का माल जा रहा पाक

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद भारत से हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का माल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है। भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर सामान भेजती हैं। वहां एक स्वतंत्र कंपनी खेप को उतारती है और उन्हें बॉन्डेड गोदामों में रखती है। वहां ट्रांजिट के दौरान शुल्क का भुगतान किए बिना माल को रखा जा सकता है। व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद भारत से हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का माल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकवादी हमलों के बाद लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों के मद्देनजर आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक नोट में कहा, भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर सामान भेजती हैं। वहां एक स्वतंत्र कंपनी खेप को उतारती है और उन्हें बॉन्डेड गोदामों में रखती है। वहां ट्रांजिट के दौरान शुल्क का भुगतान किए बिना माल को रखा जा सकता है।

थिंक टैंक ने कहा, ट्रांजिट के बाद गोदामों में रखे गए माल के लेबल और दस्तावेजों को मूल देश (ओरिजिन कंट्री) से अलग दिखाने के लिए संशोधित किया जाता। ऐसे में लगता है कि माल किसी तीसरे देश से आ रहा है और फिर उसे ऊंची कीमतों पर बेचा जाता है।

इस तरीके से कंपनियों को व्यापार प्रतिबंधों को दरकिनार करने और तीसरे देश के रास्ते से ऊंची कीमतों पर माल बेचने में मदद मिलती है। यह तरीका जांच से बचने में भी सहायक है, क्योंकि ऐसा लगता है कि व्यापार अन्य देशों से किया जा रहा है।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, व्यापार का यह तरीका हमेशा अवैध नहीं होता, लेकिन गुमराह करने जैसा है। इससे पता चलता है कि व्यापार के लिए कैसे रचनात्मक तरीके खोजे जाते हैं। कई बार उनकी चाल सरकारों की प्रतिक्रिया से भी तेज होती है।

ऐसे समझें व्यापार के इस तरीके का गणित: जीटीआरआई के नोट में उदाहरण के जरिये उत्पादों के लेबल को बदलकर ऊंची कीमतों पर बेचने का गणित बताया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सूरत में आईबी ने संदिग्ध 134 बांग्लादेशियों से की पूछताछ

सूरत। गुजरात सूरत शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में मेगा सर्च अभियान चलाकर क्राइम ब्रांच ने 134 संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़कर उन्हें सूरत शहर के रांदेर स्थित भिक्षु गृह में रखा है। इन सभी संदिग्ध लोगों से इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और पश्चिम बंगाल की खुफिया एजेंसी की टीम पूछताछ करने सोमवार को सूरत पहुंचीं। टीमों ने इन सभी की पहचान के लिए नंबर और टैग देकर पूछताछ शुरू की है। इसकी रिपोर्ट केन्द्रीय गृह मंत्रालय को सौंपी जाएगी। सूरत क्राइम ब्रांच के सूत्रों के मुताबिक संदिग्ध बांग्लादेशियों को दिए गए नंबर टैग एक प्रकार से पुलिस प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनी पुलिसकर्मियों को दिए जाते हैं। इस नंबर टैग के आधार पर सभी की पहचान कर उनसे सख्त पूछताछ की जा रही है। आईबी की अलग-अलग टीमें इनसे भिन्न-भिन्न तरीके से जानकारी इकट्ठी कर रही हैं। पहले एक बार में चार संदिग्धों से पूछताछ की जाती है, फिर उन्हें अलग-अलग बुलाकर पूछताछ होती है। इसके अलावा आईबी टीम सभी संदिग्धों से उनके पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज की जांच कर रही है। जांच के बाद उसकी रिपोर्ट भी बनाई जा रही है। सूत्रों का दावा है कि सूरत में केन्द्रीय टीम और बंगाल की टीम मिलाकर कुल 25 लोगों की टीम जांच में जुटी है। इसके अलावा सूरत शहर पुलिस भी चार अलग-अलग स्तर पर उनसे पूछताछ कर रही है। पूछताछ का केन्द्र बिन्दु सिर्फ संबंधित व्यक्ति तक सीमित नहीं होकर उनके सगे-संबंधी, अन्य शहरों में नेटवर्क, भारत में प्रवेश के मार्ग और तरीकों आदि तक रखा गया है।

श्रीलंका में हेरोइन की बड़ी खेप बरामद, आरोपित सात दिन की पुलिस हिरासत में

कोलंबो। श्रीलंका के वेलम्पिटिया पुलिस डिवीजन के मालाबे थाना इलाके के कोटिकावट्टा के नागहामुल्ला क्षेत्र में एक घर से मादक पदार्थों की बड़ी खेप बरामद की गई है। अदालत ने संदिग्ध आरोपित को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि कदवथा निवासी 27 वर्षीय व्यक्ति के घर पर मारे गए छापे में 13 किलोग्राम 372 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। डेली मिरर की खबर के अनुसार मालाबे पुलिस ने कहा कि इस घर से देश के हिस्सों में हेरोइन भेजी जाती थी। छापे के दौरान ट्रैवल बैग से मादक पदार्थ बरामद किया गया। इस संबंध में मोरिन नाम के ड्रग तस्कर का भी नाम सामने आया है। उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। संदिग्ध इमेश मदुशंका को कोलंबो के अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पवित्रा संजीवनी पथिराना के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने मदुशंका को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

भतीजे आकाश के बचाव में उतरीं मायावती, विपक्षी दलों को घेरा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता आकाश आंनद को पार्टी से बाहर निकालने, फिर उन्हें वापस लाने को लेकर विपक्षी दलों ने बसपा प्रमुख मायावती को घेरा है। इसको लेकर बसपा प्रमुख ने पलटवार करते हुए सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सोशल एक्स पर चार पोस्ट किए। उन्होंने पोस्ट के जरिए भाजपा, सपा समेत अन्य विरोधियों पर पार्टियों पर निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पोस्ट में लिखा कि डा. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के कारवां को सत्ता की मंजिल तक पहुंचाने के लिए मिशन जारी है। इस कार्य में लगे बसपा में कार्यरत लोगों के आने-जाने में कुछ भी निजी नहीं, बल्कि यह पार्टी व मूवमेन्ट के हित पर पूर्णत: निर्भर है। कुछ लोग विरोधी पार्टियों के बहकावे में आकर अपनी ही पार्टी को कमजोर करने में लग जाते हैं। पार्टी में अनुशासनहीनता अपनाने व परिपक्वता के साथ कार्य ना करने के कारण तब उन्हें मजबूरी में पार्टी हित में निकालना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता को अपनी गलती का अहसास हो जाता है और माफी मांग लेता है तो उन्हें पार्टी में वापस ले लिया जाता है। वहीं कांग्रेस, बीजेपी व अन्य विरोधी पार्टियाँ इसे आया राम व गया राम की संज्ञा देकर, पार्टी की छवि को धूमिल करने की पूरी-पूरी कोशिश करती हैं। जब यही कार्य विरोधी पार्टियां करती हैं, तब उसे वे पार्टी हित का मामला कहकर टाल देती हैं।

पहली बार माना: रुस के लिए उ. कोरिया की सेना उतरी मैदान में

कीव। उत्तर कोरिया ने पहली बार कबूल किया कि किम जोंग-उन के आदेश पर उसके सैनिक रूस के कुर्स्क ओब्लास्त में लड़ रहे हैं। यह खुलासा तब हुआ, जब वेटिकन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की गुप्त मुलाकात ने दुनिया को चौंका दिया। ट्रंप ने रूस से हमले रोकने की मांग की है। वहीं रूस है कि वह ट्रंप की एक नहीं सुन रहा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना लगातार यूक्रेन पर हमला कर रही है। उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी ने खुलासा किया कि किम जोंग-उन ने 2024 में रूस के साथ हुए रणनीतिक समझौते के तहत सैनिक भेजे। किम ने अपने सैनिकों को 'मातृभूमि का गौरव' बताया और रूस के साथ गठजोड़ को 'शानदार' कहा। यूक्रेन का अनुमान है कि 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के लिए लड़ रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने सीडीएस और तीनों सेना प्रमुखों के साथ कीं अलग-अलग बैठकें

रक्षा मंत्री ने पीएम को दी जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की विस्तृत जानकारी

रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक भी संसद भवन के एनेक्सी में हुई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 24 घंटे के भीतर सोमवार को दूसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 40 मिनट मुलाकात करके पहलगाम आतंकी हमला के बाद जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर सुरक्षा-व्यवस्था से संबंधित जानकारी दी। इसके पहले रक्षा मंत्री ने आज ही सीडीएस जनरल अनिल चौहान, एनएसए अजीत डोभाल और तीनों सेना प्रमुखों से अलग-अलग बैठकें करके सुरक्षा तैयारियों के बारे में जानकारी ली। बाद में रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक भी संसद भवन के एनेक्सी में हुई।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बीच सीडीएस अनिल चौहान की दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ भी रक्षा मंत्री की आज बैठक हुई है। सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं, जबकि एनआईए इस मामले की गहन जांच में जुटी है। इस बीच रक्षा और सुरक्षा से जुड़े शीर्ष अधिकारियों की बैठकों का दौर भी जारी है। यह बैठकें आतंकियों के खात्मे और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर केंद्रित हैं।

रक्षा मंत्री ने आज प्रधानमंत्री आवास पर 40 तक चली मुलाकात में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री से रक्षा मंत्री की यह मुलाकात 24 घंटे के अंदर दूसरी बार हुई है। प्रधानमंत्री को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ब्रीफिंग ऐसे समय में हो रही है, जब भारत 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के पीछे के लोगों को दंडित करने के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। आज भी राजनाथ सिंह ने सेना की ओर से लिए गए प्रमुख निर्णयों पर चर्चा करने के लिए चीफ डिफेंस ऑफ स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेना प्रमुखों से अलग-अलग बैठकें की। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने आज चौथी बार जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी करके संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। भारतीय अधिकारियों के अनुसार भारतीय सेना ने 27-28 अप्रैल की रात जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा और पुंछ जिलों के आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार पाकिस्तानी सेना की बिना उकसावे के छोटे हथियारों से की गई गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया। इससे पहले भारतीय सेना ने 26-27 अप्रैल की रात नियंत्रण रेखा पर तुतमारी गली और रामपुर सेक्टर के विपरीत क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। इसके बाद शाम को रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक संसद भवन के एनेक्सी में हुई। बैठक में स्थायी समिति के अध्यक्ष राधा मोहन सिंह, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। बैठक में कई सांसदों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया, जिसमें देश की रक्षा नीतियों और सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। यह समिति रक्षा मंत्रालय के कामकाज, बजट आवंटन और सैन्य तैयारियों की समीक्षा करती है। हाल के वर्षों में इस समिति की बैठकों में कई अहम मुद्दे उठाए गए हैं। इस बार की बैठक के एजेंडे के बारे में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह बैठक देश की सुरक्षा और रक्षा तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आईआईटी जोधपुर में यूएवी और ड्रोन पर होगी रिसर्च

जोधपुर। भारतीय सेना ने अपनी सामरिक रणनीति में एक आयाम जोड़ते हुए भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर में पृथ्वी मिसाइल प्रणाली का अनावरण किया है। इसके साथ ही यहां राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए मानेकशॉ उत्कृष्ट केंद्र की भी शुरुआत की गई है। इसके तहत शिक्षाविद, रक्षा विशेषज्ञ और उद्योग मिलकर देश की सुरक्षा के लिए तकनीक पर काम करेंगे।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव में अभाविप ने रचा इतिहास, संयुक्त सचिव पद पर शानदार जीत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने सोमवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) चुनाव में इतिहास रच दिया। अभाविप के उम्मीदवार वैभव मीणा ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय पैनल के संयुक्त सचिव पद पर शानदार जीत हासिल की।

इसके साथ ही 16 स्कूलों और विभिन्न संयुक्त केंद्रों के कुल 42 काउंसलर पदों में से 24 सीटों पर विजय हासिल कर अभाविप ने वर्षों से कायम वामपंथी प्रभुत्व को ध्वस्त करते हुए लाल दुर्ग में भगवा परचम फहरा दिया। संयुक्त सचिव पद पर विजय प्राप्त करने के साथ ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव के पदों पर भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कांटे की टक्कर दी। अंतिम चरण तक अभाविप के उम्मीदवार मजबूती से मुकाबले में बने रहे और वामपंथी गठबंधन के लिए गहरी चुनौती पेश करते रहे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि जेएनयू में राष्ट्रवाद की नई सुबह का प्रारंभ हुआ है। आज जेएनयू की पवित्र धरती पर इतिहास रचा गया है। अभाविप ने न केवल काउंसलर पदों पर शानदार विजय प्राप्त की है बल्कि केंद्रीय पैनल पर भी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई है। यह जीत हर उस छात्र की जीत है, जो शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार मानता है। हम छात्रों के हर हित के लिए संघर्षरत रहेंगे और राष्ट्र सर्वोपरि के आदर्श को स्थापित करेंगे। अभाविप से जेएनयू छात्र संघ के नवनिर्वाचित संयुक्त सचिव वैभव मीणा ने कहा कि जेएनयू छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) हर कदम, हर निर्णय और हर पहल को छात्र समुदाय के कल्याण के लिए समर्पित करेगा। हम एक ऐसे परिसर का निर्माण करेंगे, जहां संवाद, समावेशिता और शैक्षणिक उत्कृष्टता सर्वोच्च स्थान पर होगी।

जेल में बंद नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने की मुसीबत बढ़ी, एक और घोटाले में मुकदमा दर्ज

काठमांडू। जेल में बंद नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की मुसीबत और बढ़ गई है। इस बीच उनके खिलाफ एक और को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला सामने आया है। इस पर सोमवार को मुकदमा दायर हुआ है। बीरगंज के पाइला को-ऑपरेटिव बैंक में 112 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाला सामने आने के बाद सरकार के तरफ से पर्सा जिला अदालत में रवि लामिछाने सहित 30 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू पाक के मीडिया में भारत के खिलाफ उगल रहा जहर

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

खालिस्तान समर्थक और सिख फॉर जस्टिस संगठन का संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ फिर जहर उगला है। वाशिंगटन में पंजीकृत सिख फॉर जस्टिस को भारत सरकार पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुकी है। ऐसा पहली बार नहीं है कि उसने भारत के खिलाफ विष वमन किया हो। पन्नू का विष वमन भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उपजे हालात के बीच आया है। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ भी जहर उगला है। उसने इंटरव्यू में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और कश्मीर में चल रहे संघर्ष जैसे मुद्दों पर बात की है। उसने खुलकर कहा कि वह पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त कर रहा है। उसने कहा कि वह पाकिस्तान के पंजाब में भारत की सेना के प्रवेश करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से विरोध करेगा। पन्नू ने टिप्पणी की कि उसकी संयुक्त राज्य अमेरिका में हत्या कराने की कोशिश की गई। खालिस्तान समर्थक पन्नू ने कहा कि कश्मीर के लोगों को दुनिया भर में भारतीय दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इंटरव्यू में क्लिंटन की भारत यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत में सिखों का नरसंहार करवाया गया।उसने कहा कि पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर भारत के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेशे से वकील पन्नू का परिवार पहले भारत के पंजाब के नाथू चक गांव में रहता था। बाद में परिवार अमृतसर के पास खानकोट में बस गया।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के परिजनों ने एनएआई को सौंपे उनके निजी कागजात

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार वालों ने उनके कुछ जरूरी कागजात भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) को सौंपे। इनमें मूल पत्राचार, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, यात्रा रिपोर्ट और विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ-साथ संगठनों में डॉ कलाम द्वारा दिए गए व्याख्यान से जुड़े कागजात शामिल हैं।

दिल्ली स्थित एनएआई में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कलाम की भतीजी डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार और डॉ. कलाम के पोते एपीजेएमजे शेख सलीम ने पूर्व राष्ट्रपति के कुछ जरूरी कागजात एनएआई को सौंपें। इस मौके पर एनएआई के महानिदेशक अरुण सिंघल ने डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महानिदेशक सिंघल ने कहा कि अब आम लोग भी डॉ. कलाम के 1000 से अधिक भाषणों के संग्रह को देख और पढ़ सकेंगे। सभी कागजात का डिजिटलीकरण किया जाएगा। आने वाली पीढ़ी एनएआई के निजी संग्रह में जाकर डॉ. कलाम, महात्मा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चंद्रबोस द्वारा लिखे पत्र और दस्तावेज पढ़ सकती है।

एनएआई के सहायक निदेशक डॉ. मानस मिश्रा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि आज औपचारिक तौर पर डॉ कलाम और एनएआई के बीच समझौता किया गया। इसके तहत परिवार वालों ने डॉ कलाम के निजी पत्राचार, भाषणों का संग्रह, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड को एनएआई को सौंपा। इसके लिए एनएआई की टीम दिल्ली से रामेश्वरम डॉ. कलाम के घर पर उनके निजी पत्रों को लेने के लिए पहुंची थी। टीम में उनके साथ उपनिदेशक राजू सिंह और सहायक निदेशक डॉ. रिचा थे। डॉ कलाम द्वारा लिखे लेक्चर, पत्रों से भरे 12 बॉक्स को चार बड़ बॉक्स में भर कर दिल्ली लाया जा रहा है। डॉ कलाम द्वारा विश्वविद्यालयों में दिए गए भाषणों का संकलन है जिसमें विकसित भारत का रोडमैप का विजन है।

डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं पुतिन-जेलेंस्की दो सप्ताह में करें शांति समझौता

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की दो सप्ताह के भीतर शांति समझौता करें। हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि समझौते के लिए थोड़ा और समय स्वीकार्य हो सकता है। ट्रंप ने इससे पहले 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के अवसर पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी।

ट्रंप ने वाशिंगटन लौटने से पहले न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत में यह इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की के साथ उनकी मुलाकात अच्छी रही। अब देखना यह है कि अगले कुछ दिनों में क्या होता है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से बेहद निराश हैं कि रूस ने यूक्रेन में मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हैं। यह तब है, जब उन्होंने पुतिन से बातचीत जारी रहने के दौरान हमलों को रोकने का अनुरोध किया था। ट्रंप से पूछा गया कि जेलेंस्की ने किस बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने और हथियारों की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पुतिन को गोलीबारी बंद कर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हालांकि यूक्रेन के लिए क्रीमिया में अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करना जटिल होगा। इस पर रूस का 2014 से कब्जा है। उन्होंने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को रूस को इस क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देने के लिए दोषी ठहराया। इससे पहले रविवार को विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप की जेलेंस्की से मुलाकात के बाद रूस और यूक्रेन समझौते के करीब पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा कि अब अमेरिका को यह सोचना होगा कि क्या वह मध्यस्थता करने के लिए आगे आए। रुबियो ने मीट द प्रेस के दौरान कहा कि उन्हें लगता है कि पिछले तीन सालों की तुलना में रूस और यूक्रेन आम तौर पर समझौते के करीब पहुंच गए हैं।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों से किया संवाद

बुआई पूर्व सभी केवीके और आईसीएआर किसान जागरूकता अभियान चलाएं: चौहान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली में देशभर के सभी 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) से वर्चुअल संवाद किया। उनकी पहल पर आयोजित इस अभिनव संवाद कार्यक्रम में सभी केवीके के चल रहे प्रयासों, उनकी भूमिका और भावी कार्यक्रमों के कार्यान्वियन को लेकर व्यापक चर्चा हुई।

इस दौरान शिवराज सिंह ने सभी केवीके से किसानोन्मुखी प्रयासों में तेजी लाने की बात कही। साथ ही कहा कि खेती-किसानी की उन्नति में केवीके सशक्त माध्यम के रूप में भूमिका निभाएं। केवीके कृषि में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं, इसलिए खरीफ की बुआई से पहले सभी केवीके और आईसीएआर राज्य सरकारों के साथ मिलकर किसान जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और किसानों के हितों के मद्देनजर उत्पादकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले केवीके को पुरस्कृत किए जाने के प्रस्ताव पर भी विचार हुआ। इस संवाद में देशभर के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रमुखों के साथ ही कृषि वैज्ञानिक शामिल हुए, जिनमें से कुछ ने केवीके की उपलब्धियां बताईं और अपने सुझाव भी दिए। आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) जोधपुर (राजस्थान), अटारी हैदराबाद (आंध्र प्रदेश), अटारी पटना (बिहार), अटारी जबलपुर (मध्य प्रदेश) के अलावा मंडी (हिमाचल प्रदेश), नंदूरबार (महाराष्ट्र), खुर्दा (ओडिशा), मोरीगांव (असम) और लक्षद्वीप के केवीके प्रमुखों ने अपने-अपने क्षेत्र विशेष के अनुसार अपने कामकाज, उपलब्धियों और भावी कार्य योजनाओं के बारे में केंद्रीय कृषि मंत्री को जानकारी दी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट और उप महानिदेशक (प्रसार) डॉ. राजबीर सिंह ने प्रारंभ में केवीके के संबंध में रूपरेखा बताई। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अभियान स्वरूप कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि व्यापक क्षेत्र है। प्रत्यक्ष रूप से लगभग 45त्न आबादी कृषि से जुड़ी है और हमारी जीडीपी का लगभग 18त्न हिस्सा कृषि क्षेत्र से ही आता है, इसलिए इस व्यापक भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए हमें लगातार प्रभावशाली प्रयास करने होंगे।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति ने सुशील मोदी...

चैत्राम पवार, कला-स्टंट निर्देशन डॉ. हसन रघु, डॉ. लक्ष्मीपति, दुर्गा चरण रणबीर, प्रो. अरुणोदय साहा, समाज सेवा के लिए लिबिया लोबो सरदेसाई, डॉ. माडुगुल नागफणि शर्मा, हरिमन शर्मा, प्रो. चंद्रकांत शेठ (मरणोपरांत), कला-कठपुतली के लिए भीमव्वा शिल्लेक्यतारा, तुषार दुर्गेश भाई शुक्ल, खेल-एथलेटिक्स कोच सत्यपाल सिंह, हरजिंदर सिंह, सुरेश हरिलाल सोनी, राधाकृष्णन स्थपति, प्रो. डेविड आर सिएमले, लोक कार्य के लिए सीएस वैद्यनाथ, डॉ. सुरेंद्र कुमार वासल, डॉ. देशमाने विजयलक्ष्मी को पद्मश्री प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इस बार सात लोगों को पद्म विभूषण, 19 को पद्म भूषण और 113 को पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई थी। पद्म पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान, इंजीनियरिंग, व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में महान काम करने वालों को दिया जाता है।

नर्मदापुरम की हलचल

दिवंगत गीता देवी शर्मा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अनेक राजनैतिक

माखननगर । विगत 7 अप्रैल को इन्दौर में दिवंगत हुई पत्रकार प्रदीप शर्मा की माताजी श्रीमती गीता

देवी शर्मा की सोमवार को उनके निवास माखननगर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव यशवंत सिंह राजपूत,कुलदीप मिश्रा ,अमृतविन्दु डेरिया, मिलन डेरिया,रमेश तिवारी, अजीत सेठी, मोहन सोनी,अरविन्द सिंह सोलंकी,उमेश तिवारी ,पार्षद निरंजना दुवे रावत,रमन शुक्ला,राजेन्द्र बड़गूजर, बृजभारती बड़गूजर, ध्रुवकुमार तिवारी, प्रकाश चौरसिया, शैलेन्द्र दुवे,रत्नेश बड़गूजर, शैलेन्द्र जोशी,जगदीश शर्मा, गिरीश वर्मा, कैलाश भगौरिया,पदम मीना सहित मौजूद अन्य राजनैतिक लोगों ने श्रद्धांजलि सभा मैं पहुंचकर दिवंगत आत्मा को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए ।

नर्मदापुरम में डेढ़ माह बाद नरवाई जलाने पर एफआईआर

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में गेहूं कटने के बाद मार्च और अप्रैल में जलाई नरवाई के मामले में अब खेत मालिक किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। रामपुर, शिवपुर, पथरौटा और माखननगर थानों में चार मुकदमे दर्ज हुए है। जिसमें खेत मालिकों को आरोपी बनाया गया है। प्रशासन ने जिले में नरवाई जलाने पर रोक लगाई हुई है। बावजूद मार्च, अप्रैल में गेहूं की कटाई के बाद कई जगहों पर नरवाई में आग लगाई गई। लेकिन जिला प्रशासन ने किसी किसान पर न जुर्माना लगाया न ही एफआईआर दर्ज की। गांव-गांव ना घूमने पर अफसर कर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई। अब जब मूंग की फसल लहलहा गई है, तब जिलेभर में अफसर- कर्मियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

वास के झाड़ 11kv विद्युत लाइन से टकराने से ग्राम की लाइट बंद

सिवनी मालवा। ग्राम भरलाय के पास हरदा नर्मदा पुरम मार्ग के दोनों साइड मैं लगे वास के झाड़ 11 के. वी. विद्युत लाइन से टकराने से ग्रामीण क्षेत्र की लाइट लगातार बंद होने से ग्राम भरलाय के ग्रामीणों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । क्षेत्र के तत्कालीन विधायक पूर्व वन मंत्री स्वर्गीय सरताज सिंह के द्वारा मुख्य मार्ग के दोनों तरफ खाली पड़ी जगह में वृक्षारोपण के अंतर्गत पेड़ पौधे लगवाए गए थे । जिसमें सिवनी मालवा से ग्राम भरलाय तक बास के पौधे लगाए जो बढ़कर ऊंचे और घने होने के कारण वहां से गुजरने वाली 1100 किलो वाड विद्युत के तारों से टकराने लगे हैं इन वृक्षों कोई समय लावारिस छोड़ दिया गया है जिस फॉरेस्ट विभाग ने वृक्षारोपण कराया गया था वह भी अब इनकी देखरेख से पालन झाड़ रहा है इन बस के वृक्षों को फॉरेस्ट विभाग ने अपने अंदर में लेने से इनकार कर दिया है ।

राहत संबंधी मामलों में प्रभावितों को शीघ्र लाभ उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित करें संबंधित अधिकारी

जल गंगा संवर्धन अभियान के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए समर्पित प्रयासों की आवश्यकता : कलेक्टर

राजस्व मामलों को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरते राजस्व अधिकारी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सोमवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक के दौरान समस्त विभागों के तहत संचालित योजनाएं, अभियानों सहित सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, समय सीमा प्रकरण तथा अन्य विभागीं कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे सीपीग्राम पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निराकृत करें। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों को इस दिशा में विशेष सतर्कता बरतनी होगी, क्योंकि वर्तमान में दर्ज शिकायतों की संख्या की तुलना में निराकृत शिकायतों की संख्या कम पाई जा रही है।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग प्रमुख अपने विभाग से संबंधित लंबित शिकायतों का शीघ्रता से परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण शासन की प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को नियमित रूप से सीपीग्राम पोर्टल की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा इसकी अद्यतन स्थिति से जिला कार्यालय को अवगत कराने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री मीना ने जिला अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन और समाधान ऑनलाइन पोर्टल के तहत लंबित शिकायतों के शीघ्र एवं प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम सिवनी मालवा, पिपरिया एवं सोहागपुर को विशेष रूप से 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर फोकस करने के लिए कहा।

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), नर्मदापुरम को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्राप्त सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा सामाजिक न्याय विभाग को भी निर्देशित किया कि वे सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर अपनी रैंकिंग में सुधार लाने के लिए प्रभावी प्रयास करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए सभी संबंधित विभागों को अधिक सतर्कता और योजना बद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब तक की प्रगति संतोषजनक नहीं है और अभियान के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु समर्पित प्रयासों की आवश्यकता है।

जनपद पंचायतवार अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों जनपद पंचायत (सीईओ) को निर्देशित किया कि अमृत सरोवर एवं खेत तालाब के प्रकरणों में प्रगति लाते हुए अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार कार्य करें। उन्होंने पीओ डूडा को निर्देश दिए कि अभियान से संबंधित अद्यतन जानकारी निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करें। साथ ही, समस्त नगर पालिका अधिकारियों (सीएमओ) को निर्देशित किया कि नगरीय निकायों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना हेतु प्रभावी कदम उठाए जाएं। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को निर्देश दिए कि वे तालाबों और अन्य जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराए जाने की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करें। इसी के तहत, उन्होंने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्रियों (ईई) को निर्देश दिए कि नहरों के नक्शे खसरों में अंकित करवा कर उसका प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करें।

प्रांतीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग से बदलेगी नवयुवकों की दिशा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

विश्व हिंदू परिषद मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री आदरणीय सुरेंद्र सिंह जी भाईसाहब ने 03 मई से 10 मई तक लगने वाले बजरंग दल के प्रांतीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग हेतु वर्ग स्थल एकलव्य इंटरनेशनल स्कूल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कार्यकर्ताओं के मध्य कार्य विभाजन करने और सभी व्यवस्थाओं हेतु पांच सदस्यीय टीम बनाने और समय पर कार्य संपन्न करने के निर्देश आयोजित बैठक में दिए।

प्रांत संगठन मंत्री ने बताया कि संगठन के कार्य सुचारू रूप से चलने एवं कार्यकर्ताओं के मध्य समझदारी बढ़ाने हेतु प्रत्येक वर्ष वर्ग की रचना की जाती है इस बार वर्ग हेतु इटारसी का चयन किया गया है। प्रशिक्षित होने से नवयुवकों की दिशा एवं दशा दोनों बदलेगी। इसमें सभी प्रकार की शारीरिक शिक्षा के साथ साथ शस्त्र चलाने का भी प्रशिक्षण एवं बौद्धिक प्राप्त होगा। इसमें 15 से 35 वर्ष तक के युवा अपेक्षित रहेंगे। इसके पूर्व प्रांत संयोजक अवधेश तिवारी जी एवं प्रांत सह मंत्री जितेन्द्र सिंह चौहान भाईसाहब का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

उक्त बैठक में मुख्य रूप से स्कूल संचालक सतिंदर पाल सिंह जग्गी,जिला मंत्री चेतन सिंह राजपूत, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख अनूप तिवारी, उपाध्यक्ष अनुरुद्ध चंसौरिया, संतोष शर्मा,नगर संयोजक संदीप यदुवंशी,नगर संयोजिका अनीता तिवारी,सह संयोजिका आरती मालवीय,सत्संग प्रमुख अर्चना सातपुते,संदीप चौरे,राजेश चौरे एवं अन्य कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे। सभी ने बढ़ चढ़कर व्यवस्था में सहयोग देने का संकल्प लिया।

नगरपालिका ने किया बारिश पूर्व नाले नालियों की सफाई अभियान शुरू

बाजार क्षेत्र के चेम्बर्स को किया साफ, निकला कचरा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर बाजार क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें बारिश पूर्व बड़े नाले नालियों की प्रमुखता से सफाई कराई जा रही है। जिससे कि बारिश में जलभराव की स्थिति न बने।

स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी और उपनिरीक्षक संजय लुटारे ने बताया कि सोमवार को सफाई कर्मियों द्वारा बाजार क्षेत्र के नाले नालियों ओर चैम्बर्स की साफ सफाई की गई। साथ ही जेसीबी की मदद से चेम्बर्स के ढक्कनों को हटाकर कचरा निकाला गया। बाजार क्षेत्र में ट्रालियों से निकले कचरे में सबसे ज्यादा पालिथिन निकल रही है। नाले नालियों में पालिथिन फंसकर पानी निकासी में अवरोध करती है। हलवाई चौक स्थित नाले की सफाई की गई।

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा नगर के नागरिकों से आग्रह किया गया है कि अमानक स्तर की पालिथिन का उपयोग नगर हित में बंद कर दें। साथ ही अपने संस्थानों, दुकानों और प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन रखें। कचरा वाहन आने पर कचरा उसी में डालें। नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।

बाबरी घाट पर श्रमदान कर स्वच्छता का दिया संदेश

नर्मदापुरम। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं रिलाएबल सोशल वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आज सिवनी मालवा विकासखंड के अंतर्गत पावन मां नर्मदा तट बाबरी घाट पर श्रमदान का आयोजन किया गया। गत दिवस सत्तू अमावस्या के अवसर पर घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा एकत्रित किए गए कचरे को हटाने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया। श्रमदान के दौरान मां नर्मदा के आंचल से लगे विस्तृत क्षेत्र को साफ किया गया और लगभग तीन ट्रिंटल कचरा घाट से एकत्र कर हटाया गया। कार्यक्रम के दौरान घाट पर स्नान करने आए श्रद्धालुओं और अन्य नागरिकों को साफ-सफाई बनाए रखने और जल स्रोतों की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत प्रबुद्धजन परिवार से किया संवाद

माया नारोलिया ने बाबा साहेब अंबेडकर का चित्र भेंट कर सम्मान किया

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पखवाड़े के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान के अंतर्गत नर्मदापुरम नगर के वार्ड क्रमांक 19 , 14, 13 अनुसूचित जाति के विभिन्न प्रबुद्धजनों के निवास पर जाकर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने संवाद किया ।

सांसद ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है एवं डॉ भीमराव अंबेडकर का चित्र भेंट कर सम्मान किया एवं परिवारजनों के कुशलक्षेम को जाना। वार्ड 19 के राजेंद्र राजोरिया एवं याघवेंद्र मेहरा वार्ड नंबर 14 के अधिवक्ता मुकेश मालाजपुरे वार्ड नंबर 13 के महेश यादव संतराम मौर्य रमेश मलैया के निवास पर पहुंचकर उनका सम्मान कर बाबा साहेब डॉ अंबेडकर का चित्र भेंटकर बाबा साहेब द्वारा रचित संविधान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर पंडित आचार्य अजय दुबे, राजेश तिवारी , अमित तिवारी , पत्रकार मुकेश भदौरिया, राजेश मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, अतुल भंडारी विशाल दीवान, सुंदरम अग्रवाल, रविंद्र राजोरिया,सचिन तोमर कमल चव्हाण यश तिवारी ऋषभ शुक्ला, दीपक यादव, लक्ष्मण किशोर शास्त्री, बद्री प्रसाद कौरव मयंक गौर शिवम् पांडे जितेन्द्र दुबे सहित वार्ड के अनेक लोग उपस्थित थे।

ई-केवायसी 30 अप्रैल तक अनिवार्य, रूप से करायें मेरा ई-केवायसी ऐप से पात्र हितग्राही खुद कर सकते हैं ई-केवायसी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

राशन लेने वाले सभी लाभार्थियों के लिए ई-केवायसी अनिवार्य कर दिया गया है। ई-केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कही और कहा कि हितग्राही 30 अप्रैल तक ई-केवायसी जरूर करायें।

राशन लेने वाले सभी लाभार्थियों की सुविधा के लिए मेरा ई-केवायसी नामक मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी लाभार्थी, चाहे वह वृद्ध, दिव्यांग या सामान्य व्यक्ति हो, घर बैठे अपनी और अपने परिजनों की ई-केवायसी कर सकता है। इसके लिए लाभार्थियों को अपने आधार नंबर और ओटीपी की आवश्यकता होगी। सभी राशन लाभार्थियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपनी और अपने परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवायसी पूरी करवा लें। यह प्रक्रिया समय पर पूरी करना बहुत जरूरी है ताकि मई से राशन वितरण में रुकावट नहीं आए।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन स्वीकार

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना अन्तर्गत उद्योग, सेवा एवं खुदरा व्यवसाय अर्थात रिटेल ट्रेड के लिये आवेदन आमंत्रित किये गये है। महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र ने बताया कि योजना अंतर्गत उद्योग क्षेत्र के लिए 50 हजार से 50 लाख रूपये तक तथा सेवा अथवा खुदरा व्यवसाय के लिए 50 हजार से 25 लाख तक की परियोजना लागत सीमा निर्धारित की गई है। योजना में 18 से 45 वर्ष और न्यूनतम 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण इच्छुक आवेदक आवेदन कर सकते है। योजना के तहत 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान त्रैमासिक की दर से 7 वर्ष तक देय होगा। योजना का संचालन ऑनलाईन पोर्टल http://samast.mponline.gov.in के माध्यम से किया जा रहा है।

सौर ऊर्जा से अब किसान होंगे बिजली में आत्मनिर्भर

अगले आठ दिन जिलों में लगेंगे उन्नत कृषि पर केंद्रित मेले

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

अगले 8 दिनों में जिलों में उन्नत कृषि पर केंद्रित मेले आयोजित किए जाएंगे। किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से यह मेले उन्नत तकनीक और बीज, आधुनिकतम उपकरणों व अन्य संसाधनों, शासन की योजनाओं की जानकारी के साथ कृषि उद्यानिकी आदि के बेहतर प्रबंधन पर केंद्रित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों से सौर पंप संचालन के लिए कुसुम सी योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने का आहवान भी किया।

वर्तमान में बिजली के बिना खेती संभव नहीं है। राज्य सरकार कृषकों को बिजली में आत्मनिर्भर करने जा रही है। किसान अपनी बिजली स्वयं बनाएं, इस उद्देश्य से कुसुम सी योजना का व्यापक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। किसानों को बिजली सब्सिडी के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। यह एक तरह से किसान के जीवन में सरकार की ओर से बड़ी मदद होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि पंपों को सौर ऊर्जा से चलाने के लिए सौर पंप स्थापित करने में किसानों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सौर पंप की कीमत की दस प्रतिशत राशि से बुकिंग के लिए पंजीयन खोला गया है। तीन हॉर्स पॉवर तक के सौर पंपों का पंजीयन आरंभ किया गया है। इसी प्रकार 5 लाख रुपए तक के पंप के लिए किसान से मात्र 50 हजार रुपए लेकर बाकी 4 लाख 50 हजार रुपए की सरकार द्वारा गारंटी लेकर किसानों को पंप उपलब्ध कराया जाएगा।

डोलरिया रोड से शातिर तस्कर बकरी को गिरफ्तार कर हजारों का गांजा जब्त किया

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

पुलिस ने शातिर तस्कर को डोलरिया रोड से गिरफ्तार कर उसके पास से 92 हजार रुपए कीमत का 4.660 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया है। शातिर तस्कर मनोज उर्फ बकरी पिता सुभाषचंद पांडेय पोर्टरखोली का रहने वाला है। उसके कब्जे से भूरिया बाबा मंदिर के पास डोलरिया रोड से यह गांजा जब्त किया है।

टीआई गौरव सिंह बुंदेला के अनुसार एसपी डॉ. गुरुकरण सिंह के निर्देशन तथा एएसपी आशुतोष मिश्र और एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर नियंत्रण करने टीम बनाकर कार्य किया जा रहा है। आज मुखबिर की सूचना पर मनोज उर्फ बकरी को पकड़ा है।

इस गिरफ्तारी में निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला, उपनिरीक्षक इंद्रकुमार सोनी, सहायक उपनिरीक्षक संजय रघुवंशी, प्रधान आरक्ष हेमंत तिवारी, भूपेश मिश्रा, भागवेन्द्र परिहार, हरीश डिगरसे की प्रमुख भूमिका रही है।

हरदा से पहली बार एयर एम्बुलेंस से रेफर हुआ मरीज

हेलीपैड पर दो घंटे तक इंतजार करना पड़ा, अब भोपाल में होगा इलाज

हरदा ■ निसं

हरदा जिले में सोमवार को पहली बार पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का उपयोग किया गया। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए मरीज को एयर एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल से भोपाल के हमीदिया हॉस्पिटल इलाज के लिए भेजा गया। यह सेवा अब तक केवल कुछ बड़े शहरों तक ही सीमित थी, लेकिन अब हरदा में भी यह सुविधा उपलब्ध हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, रोलगांव गांव के 28 वर्षीय दिनेश पिता महाजन ऊईक अपने साथी के साथ मजदूरी करके बाइक से घर लौट रहे थे, तभी सड़क पर सामने आ रही भैंस को बचाने के दौरान उनकी बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। इस दुर्घटना में दिनेश का पैर बुरी तरह से फ्रैक्चर हो गया। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण, बड़े अस्पतालों में इलाज करवाने में असमर्थ इस परिवार ने डॉक्टर्स से अपनी पीड़ा साझा की। इसके बाद, सीएमएचओ डॉ. एचपी सिंह ने शासन स्तर से मरीज को एयर एम्बुलेंस से भोपाल भेजने की मांग की, जिसे मंजूरी मिल गई।

देर से एम्बुलेंस पहुंचने पर मरीज ने जताया गुस्सा

मरीज को अस्पताल प्रबंधन ने एयर एम्बुलेंस आने से करीब दो घंटे पहले ही हेलीपैड पर भेज दिया। इस दौरान, तपती गर्मी में मरीज को एम्बुलेंस का इंतजार करना पड़ा, जिससे वह तड़पता रहा। मरीज ने शिकायत करते हुए कहा कि अगर साधारण एम्बुलेंस से भेजा जाता, तो वह तीन घंटे में भोपाल पहुंच सकता था। इस पर सीएमएचओ डॉ. एचपी सिंह ने कहा कि अस्पताल में मरीज का इलाज संभव नहीं था, इसलिए उसे भोपाल भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जैसे ही विलयरेंस मिलता है, एम्बुलेंस उड़ान भरकर हरदा पहुंच जाती है।

हेलीपैड पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिसके कारण बड़ी संख्या में आम लोग एम्बुलेंस के पास पहुंच गए। जिला प्रशासन की ओर से इस बारे में कोई विशेष तैयारी नहीं की गई थी।

मरीज को मिलेगा निःशुल्क इलाज: पीएमश्री एम्बुलेंस सेवा के डॉ. निर्भय ने बताया कि इस सेवा के माध्यम से अब तक सैकड़ों मरीजों को लाभ मिल चुका है। उन्होंने बताया कि हरदा के मरीज को पैर में कई स्थानों पर फ्रैक्चर होने के कारण यहां इलाज नहीं मिल पा रहा था, जिससे उसे भोपाल के हमीदिया हॉस्पिटल भेजा गया।

हरदा के 150 साल पुराने श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा शुरू

हरदा। हरदा के गोलापुरा स्थित श्रीराम मंदिर में सनाढ्य ब्राह्मण समाज की ओर से प्राण प्रतिष्ठा समारोह शुरू हुआ। सोमवार को मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। ये यात्रा प्रताप टॉकीज चौक और जैसानी चौक से होकर मंदिर लौटी। आचार्य हरिओम जोशी के नेतृत्व में दशविधि स्नान और हेमाद्री पूजन संपन्न हुआ। यजमानों ने कलश पूजन के बाद शोभायात्रा शुरू की। मंदिर समिति के राजेश जोशी ने बताया कि प्राचीन मंदिर को दो वर्षों में नया रूप दिया गया है। मंदिर में राम दरबार के साथ दास हनुमान, मां नर्मदा और गायत्री देवी की मूर्तियां स्थापित की जा रही हैं।

2 महीने से रुका नपा कर्मचारियों का वेतन और एरियर्स

हरदा (निसं)। हरदा नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों को मार्च और अप्रैल 2025 का वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों ने सोमवार को सीएमओ कमलेश पाटीदार को ज्ञापन दिया है। मध्य प्रदेश शासन के निर्देश अनुसार अप्रैल से सभी कर्मचारियों का वेतन नई दरों से होना था। साथ ही, कर्मचारियों का एरियर भी लंबित है। विनियमितिकरण की लिस्ट भी अभी तक प्रकाशित नहीं की गई है।

संरक्षक अनिल वैद्य ने बताया कि वेतन न मिलने से कर्मचारी घर खर्च चलाने में असमर्थ हैं। कई कर्मचारियों ने बैंक से लोन ले रखे हैं। समय पर किस्त न भर पाने के कारण बैंक पेनल्टी लगा रहा है। कर्मचारियों को उधार लेकर घर चलाना पड़ रहा है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।